RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7
भुल भुलैया-3 में विद्या बालन...

वर्ष : 26 | अंक : 20 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बुधवार, 10 जनवरी, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

16वीं मंजिल से नन्हीं बच्ची के साथ नीचे कूदी माँ

डिप्रेशन की थी मरीज, अस्पताल में दोनों की मौत

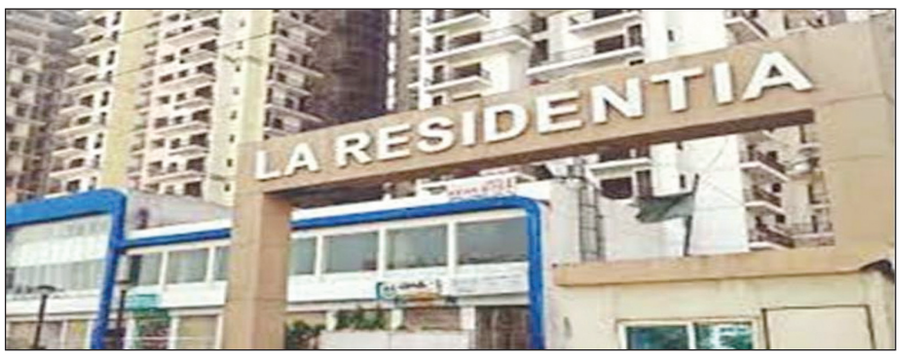

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख क्षेत्र के लॉ रेजिडेंसी सोसायटी में बीती रात एक महिला ने अपनी 6 माह की बच्ची के साथ 16 मंजिल से कूद कर आत्महत्या कर ली। महिला पिछले काफी समय से डिप्रेशन में थी और उसका इलाज चल रहा था।

मूल रूप से बिहार निवासी 33 वर्षीय सारिका अपनी 6 माह की बच्ची ईशा के साथ ग्रेटर नोएडा वेस्ट की लॉ रेजिडेंसी सोसायटी में अपने माता-पिता के साथ रह रही थी। बीती रात्रि करीब 12.00 बजे सारिका ने अपनी बेटी को साथ लेकर 16 वी मंजिल से छलांग लगा दी। 16वीं मंजिल से नीचे गिरने के कारण सारिका व उसकी बेटी गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर स्थिति में उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर थाना बिसरख पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। थाना प्रभारी अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है की सारिका पिछले काफी समय से बीमारी के कारण डिप्रेशन में चल रही थी। उसका उपचार कराया जा रहा था। बीती रात वह परिजनों के साथ पूरी तरह नॉर्मल थी। खाना खाने के बाद वह अपने कमरे में बेटी को लेकर सोने के लिए चली गई थी। सारिका का पति प्राइवेट कंपनी में जॉब करता है।

बच्चे का बेरहमी से दबाया गया था गला

गोवा (एजेंसी)। गोवा में एक मां की दरिंदगी से हर कोई हैरान है। बच्चे की पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने माँ की इस दरिंदगी को दुनिया के सामने लाकर रख दिया है। पोस्टमार्टम करने वाले डॉ. कुमार नाइक ने खुलासा करते हुए कहा कि बच्चे की हत्या 36 घंटे पहले की गई थी। बच्चे की मौत गला दबने से हुई है। जिस वजह से उसकी चेहरे की सारी नशें बाहर आ गई थीं।

गौरतलब है कि द माइंडफुल एआई लैब की सीईओ सूचना सेठ को गोवा के एक सर्विस अपार्टमेंट में अपने बेटे की हत्या करने के आरोप में सोमवार रात कर्नाटक के चित्रदुर्ग से गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने बताया कि सुचना सेठ का अलग हो चुका पति वेंकट रमन अपने बच्चे की हत्या के बारे में जानने के बाद मंगलवार शाम को जकार्ता से भारत लौट आया। डॉ. कुमार नाइक ने कहा कि (शेष पृष्ठ-3 पर)

स्वामी के बिगड़े बोल : कानून की रक्षा के लिए कारसेवकों पर चलाई गई थी गोली

कासगंज (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने कारसेवकों पर गोली चलाने को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने राम मंदिर आंदोलन के दौरान कारसेवकों पर तत्कालीन मुलायम सिंह सरकार द्वारा गोलियां चलवाने का बचाव करते हुए कारसेवकों को अराजक तत्व करार दिया है।

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को पार्टी के नेताओं को धर्म संबंधी बातों को लेकर नसीहत दी थी। स्वामी प्रसाद मौर्य को लेकर भी उन्होंने आश्वासन दिया था कि अब बयानबाजी नहीं होगी। लेकिन कासंगज में समाजवादी पार्टी नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर विवादित बयान दिया।

कासगंज में उन्होंने कहा कि जिस समय अयोध्या में राम मंदिर पर घटना घटी थी, बिना न्यायपालिका के किसी निर्देश के बिना किसी आदेश के अराजक तत्वों ने जो तोड़-फोड़ की थी, उस पर तत्कालीन सरकार ने संविधान की, कानून की रक्षा के लिए उस समय जो गोली चलवाई थी वह सरकार का अपना कर्तव्य था, उन्होंने अपना कर्तव्य निभाया था।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि हमारे बहुत अच्चे साथी रहे हैं प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल, उस समय सपा सरकार में ही थे। उनको नहीं बोलना चाहिए। स्वामी प्रसाद मौर्य इससे पहले भी भगवान श्रीराम सहित अन्य देवी-देवताओं को लेकर विवादित बयान दे चुके हैं। स्वामी के इस बयान के बाद फिर बखेड़ा खड़ा हो गया है।

भाजपा नेता को आई कॉल जान से मारने की दी धमकी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा में भाजपा के एक नेता को जान से मारने की धमकी दी गई है। भाजपा नेता का आरोप है की धमकी देने वाले ने खुद को साइबर सेल का अधिकारी बताते हुए उसके साथ अभद्र व्यवहार करते हुए जान से मारने की धमकी दी। थाना ईकोटेक-3 पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष वर्तमान जेवर मंडल प्रभारी तथा उत्तर प्रदेश हज कमेटी के मेंबर सरफराज अली ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि बीते दिनों विनर यादव नामक युवक ने उनके मोबाइल फोन पर कॉल की उसने खुद को साइबर सेल का कर्मी बताकर अभद्र व्यवहार व गाली गलौज की। उन्होंने जब गाली देने का विरोध किया तो फोन करने वाले ने उसे जान से मारने की धमकी दी।

सरफराज अली ने बताए कि उन्होंने पिछले वर्ष जुलाई माह में गाजियाबाद की एक एजेंसी पर अपनी स्विफ्ट कार की सर्विस कराई थी बीते दिनों उनके पास स्विफ्ट कार की सर्विस का फीडबैक लेने के लिए एजेंसी से फोन आया। उन्होंने फोन पर बताया कि उन्हें एजेंसी की सर्विस पसंद नहीं आई है। इसके बाद फोन करने वाले व्यक्ति ने अपने सीनियर से बात कराई तो उसने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। इसके बाद उन्होंने फोन काट दिया था। इसके कुछ देर बाद उनके पास विनर यादव नामक व्यक्ति ने खुद को साइबर सेल का कर्मी बताते हुए फोन कर गलत (शेष पृष्ठ-3 पर)

क्राइम फाईल

ई-रिक्शा पार्किंग स्टैंड पर चोरों का धावा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-86 स्थित शहदरा गांव में ई-रिक्शा चार्जिंग पार्किंग से ई-रिक्शा लोडर, दो ई-रिक्शा, ई-स्कूटर तथा 8 बैटरी चोरी हो गई। इस संबंध में पार्किंग मलिक ने दो लोगों के खिलाफ थाना सेक्टर-142 में चोरी का मामला दर्ज कराया है। सोरखा गांव निवासी अमोद कुमार ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि उसका सेक्टर-86 में ई-रिक्शा सर्विस सेंटर है। एक्स्ट्रा सामान रखने के लिए उसने शाहदरा गांव में नकुल भाटी के मकान में चार्जिंग पार्किंग बनाई हुई है। यहां पर वेद प्रकाश नाम का कमीशन एजेंट रहता था। बीते 29 दिसंबर को वेद प्रकाश अपने भाई संजय के साथ चार्जिंग पार्किंग से एक ई-रिक्शा, लोडर दो ई रिक्शा, एक ई स्कूटर व 8 बैटरी चोरी कर ले गया। अमोद कुमार के मुताबिक दोनों आरोपियों को चोरी करते हुए पड़ोस में रहने वाले धीरज कौशिक ने देखा था उसने कई बार वेद प्रकाश से संपर्क करने का प्रयास किया लेकिन उसका फोन स्विच ऑफ मिला। इसके अलावा हरीश बैंसोडिया ने थाने में मुकदमा दर्ज कराया है कि सेक्टर-143 स्थित कार गैराज में खड़ी ई-रिक्शा की बैटरी को अज्ञात चोरों ने चोरी कर लिया। चोर गैराज में रखे एक स्कैनर को भी चोरी कर ले गए। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

निर्माणाधीन रेलवे ओवर ब्रिज से लोहे के फर्मे चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी क्षेत्र के ग्राम रामगढ़ चमरावली के बन रहे रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) की साइट से चोरों ने लोहे के फर्मे चोरी कर लिए। आरएस जिमोटेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि रुहुल्लाह ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि उनकी कंपनी द्वारा ग्राम रामगढ़ चमरावली के पास रेलवे ओवरब्रिज का कार्य कराया जा रहा है। निर्माणाधीन स्थल पर पिलर बनाने के लिए लोहे के फर्मे में रखे हुए थे। बीते 7 जनवरी की रात्रि को चोरों ने निर्माणाधीन से लाखों रुपए के फर्मे चोरी कर लिए। सुबह जब मजदूर साइट पर पहुंचे तो उन्हें लोहे के फर्मे गायब मिले। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

दो घरों में चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी क्षेत्र के ओमिक्रॉन सेक्टर में चोरों ने दो घरों में चोरी की वारदातों को अंजाम दिया। चोर घरों से नगदी, जेवरात, कीमती सामान चोरी कर ले गए। घटना के समय परिजन अपने गृह जनपद गए हुए थे। सेक्टर ओमीक्रॉन-2 सी ब्लॉक में रहने वाले नवीन जमनाल व अनिरुद्ध कुमार ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि बीते 23 दिसंबर को वह परिवार सहित अपने गृह जनपद गए थे। बीती 29 दिसंबर को जब वह वापस लौटे तो उन्हें घर के ताले टूटे हुए मिले। उन्होंने जब अपने घरों में पड़ताल की तो पता चला कि चोर उनके घर में रखी अलमारी का ताला तोड़कर नगदी, जेवरात व अन्य कीमती सामान को चोरी कर ले गए हैं। थाना प्रभारी सुजीत उपाध्याय ने बताया कि पीड़ितों की शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस सेक्टर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाल कर चोरों की पहचान का प्रयास कर रही है। चोरी के मामले में पुलिस को कुछ अहम सुराग हाथ लगे हैं।

बना एक नया रिकार्ड, 11 घंटे में हुआ 19768 वर्गमीटर जमीन का एलॉटमेंट

अरूण सिन्हा

नोएडा। उत्तर प्रदेश की औद्योगिक राजधानी के नाम से प्रसिद्ध नोएडा शहर में मंगलवार को एक नया रिकॉर्ड बना है। यहां नोएडा प्राधिकरण ने लगातार 11 घंटे तक 220 उद्योगपतियों के इंटरव्यू लेकर 11 उद्योगपतियों को एक ही दिन में 19768 वर्ग मीटर जमीन आवंटित कर दी है। नोएडा में नए उद्योग लगाने के लिए शुरू की गई नई साक्षात्कार नीति के तहत यह आवंटन किया गया है। नोएडा शहर के अलग-अलग औद्योगिक सेक्टरों में 11 उद्योगपतियों को 11 (ग्यारह) प्लॉट आवंटित किए गए हैं। आपको बता दें कि नोएडा शहर एक औद्योगिक नगरी है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

नोएडा एक उत्कृष्ट क्षेत्र

इन 11 उद्योगपतियों को मिले इंडस्ट्री के प्लॉट

नोएडा प्राधिकरण की औद्योगिक भूखंड आवंटन योजना के तहत 11 घंटे तक चले साक्षात्कार के बाद 11 लोगों को आवंटन के लिए सुपात्र मानते हुए उनका चयन किया गया। साक्षात्कार प्रात: 11.00 बजे से रात तकरीबन 10.00 बजे तक चला।

जिन लोगों को भूखंडों के आवंटन के लिए सुपात्र माना गया है उसमें एसएबीएस फ्युचरिस्टिक प्रा0लि0 को सेक्टर-164 में 17700 वर्गमीटर का भूखंड आवंटित किया गया है। वहीं यूनाइटेड एकता इंजीनियरिंग उद्योग प्राइवेट लिमिटेड को सेक्टर-164 में 1000 वर्ग मीटर, अल्केमी डिजाइंस को सेक्टर-164 में 1000 वर्गमीटर, नीर इंफ्रे सोल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड को इसी सेक्टर में 1000 वर्ग मीटर, तथा सेक्टर-164 में ही हांग गुआंग डी टेक्नोलॉजी इंडिया प्रा0लि0 को 1000 वर्ग मीटर का भूखंड आवंटित किया गया। एक्सोटिक मिली प्राइवेट लिमिटेड को सेक्टर-80 में 3210 वर्ग मीटर, दि प्रोफेशनल हेयर सैलून एंड स्पा इंडिया प्रा0लि0 को सेक्टर-8 में 204 वर्ग मीटर, मैक्सपोस्चुर लिमिटेड को सेक्टर-8 में 204 वर्गमीटर, लुरोप्लास्ट सोल्यूशंस प्रा0लि0 को सेक्टर-80 में 802 वर्गमीटर, आरएमएसी को सेक्टर-80 में 500 वर्ग मीटर तथा आशीष फेइल्स प्रा0लि0 को सेक्टर-158 में 450 वर्ग मीटर भूखंड आवंटित हुआ है।

औद्योगिक एवं अवस्थापना विकास आयुक्त मनोज कुमार सिंह ने सभी आवेदकों का सेक्टर-18 स्थित रेडीसन ब्लू होटल में साक्षात्कार लिया था। इस दौरान नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डा. लोकेश एम भी मौजूद थे। यह साक्षात्कार दो चरणों में प्रात: 11.00 बजे से रात तकरीबन 10.00 बजे तक चला।

14 भूखंडों के लिए हुए साक्षात्कार में सिर्फ 11 लोगों को ही सुपात्र माना गया। दो चरणों में 110-110 आवेदनकर्ताओं का साक्षात्कार किया गया था। इस योजना के लिए 31 दिसंबर 2023 तक कुल 220 लोगों ने आवेदन किया था।

इस साक्षात्कार के दौरान सेक्टर-7 में 405.62 वर्गमीटर, सेक्टर-8 में 1218.23 वर्गमीटर तथा सेक्टर-8 में ही 110.89 वर्गमीटर भूखंड के लिए कोई भी आवेदक सुपात्र नहीं पाया गया।

ट्रक में घुसी महिन्द्रा पिकअप, दो मरे

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर आज तड़के टेक महिंद्र पिकअप आगे जा रहे ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में महिंद्रा पिकअप सवार दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। महिंद्रा पिकअप सवार चालक परिचालक राजस्थान के सवाई माधोपुर से अमरुद लेकर दिल्ली की फल मंडी आ रहे थे।

थाना दनकौर प्रभारी ने बताया कि बीती रात्रि पुलिस को ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर नौरंगपुर गांव के पास हादसे की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस को महिंद्रा पिकअप जीप क्षतिग्रस्त मिली। महिंद्रा पिकअप में दो लोग गंभीर रूप से घायल फंसे हुए थे। पुलिस में दोनों को बाहर निकाल कर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। उपचार के दौरान दोनों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान जयपुर निवासी नरसी राम सैनी व अब्दुल वहाब के रूप में हुई। उन्होंने बताया कि नरसीराम सैनी (शेष पृष्ठ-3 पर)

उधारी के झगड़े में चली गोली

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी क्षेत्र के काठ मंडी में आज सुबह उधार के पैसों के विवाद में युवक ने अपने दोस्त को गोली मारकर घायल कर दिया। दिनदहाड़े गोली चलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। हालांकि पुलिस इस मामले में आरोपी पर दबाव बनाने के लिए पीड़ित द्वारा खुद को ही गोली मारने की बात कह रही है। एडीसीपी अशोक कुमार ने बताया कि ग्राम अच्छेजा निवासी तनुज नागर पुत्र राकेश नागर का काठ मंडी निवासी ऋषभ गुप्ता से पैसों को लेकर मामला चल रहा था। आज सुबह तनुज नागर अपने पैसे लेने के लिए ऋषभ गुप्ता के यहां पहुंचा। उधारी के पैसों को (शेष पृष्ठ-3 पर)

थाने के बाहर आग लगाने वाले युवक की मौत

नोएडा (चेतना मंच)। बीते दिनों थाना लोनी बॉर्डर के बाहर आग लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास करने वाले युवक की उपचार के दौरान नोएडा के अस्पताल में मौत हो गई। थाना सेक्टर-20 पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर थाना लोनी बॉर्डर पुलिस को सूचना दे दी है। राहुल गार्डन थाना लोनी बॉर्डर निवासी मोहित पुत्र सतवीर को जली हुई अवस्था में सेक्टर-27 (शेष पृष्ठ-3 पर)

ग्रेटर नोएडा में भाजपा नेता की दबंगई, घर में घुसकर की मारपीट

लड़की पर अभद्र टिप्पणी को लेकर हुआ झगड़ा, दोनों पक्षों ने दर्ज कराई एफआईआर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा में एक चर्चित भाजपा नेता के ऊपर अपने साथियों के साथ घर में घुसकर लाठी डंडों का लोहे की रॉड से जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। बताया जाता है कि यह हमला पीड़ित के लड़के द्वारा हमला करने वाले परिवार की लड़की को लेकर अपशब्द कहने पर किया गया है। हमला करने वाले परिवार ने भी दूसरे पक्ष के खिलाफ लड़की दादरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

जू सेक्टर निवासी राज सिंह ने पुलिस से की शिकायत में बताएं कि विगत 7 जनवरी की रात्रि को उनके पड़ोस में रहने वाला तरुण शर्मा ने उनके दरवाजे पर आकर गाली गलौज शुरू कर दी। इस बात का जब उनके बेटे ने विरोध किया तो तरुण ने अपने चाचा के लड़के एवं भाजपा नेता संचित शर्मा उर्फ सिंग्गा पंडित को अपने अन्य साथियों के साथ बुला लिया। इसके बाद सभी (शेष पृष्ठ-3 पर)

रॉन्ग साइड ट्रक चलाने वाला पुलिस के हवाले

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। राष्ट्रीय राजमार्ग 91 पर रॉन्ग साइड में खतरनाक तरीके से ट्रक चला कर लोगों की जान जोखिम में डाल रहे चालक को ट्रैफिक पुलिस कर्मी ने पकड़कर थाना बादलपुर पुलिस के हवाले कर दिया। ट्रक चालक के खिलाफ खतरनाक तरीके से ट्रक चलाने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया गया है। यातायात पुलिस के आरक्षी धर्मेंद्र सिंह ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि वह हेड कांस्टेबल गौरव खेवट तथा यातायात निरीक्षक सुनील कुमार सिंह के साथ बादलपुर क्षेत्र में यातायात को संचालित कर रहा था पटवारी का बाग के पास राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच 91 पर ट्रक चालक विपरीत दिशा में तेजी से ट्रक को चलकर ला रहा था। मौके पर मौजूद निरीक्षक सुनील कुमार ने ट्रक के चालक (शेष पृष्ठ-3 पर)

22 को सेक्टरों में हवन, सुंदरकांड पाठ व भजन करें सभी आरडब्ल्यूए : फोनरवा

नोएडा (चेतना मंच)। फेडरेशन ऑफ रेजीडेंटस वेलफेयर एसोसिएशन (फोनरवा) ने सभी आरडब्ल्यूए को सलाह दी है कि 22 जनवरी को वे अयोध्या न जाकर अपने- अपने सेक्टरों के मंदिरों में पूजा-पाठ, हवन व रामायण पाठ करें तथा प्रभात फेरी निकालें। ऐसे आयोजन करें जिससे समूचा सेक्टर राममय हो जाए।

फोनरवा के तीसरी बार महासचिव चुने गए के.के. जैन ने उक्त जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या में श्री राम मंदिर में प्रभु श्रीरामलला की मूर्ति का प्राण-प्रतिष्ठा अनुष्ठान किया जाएगा। जिसमें देश-विदेश की हस्तियां शिरकत करेंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से अपील की कि 22 जनवरी को अयोध्या न आएं बल्कि अपने-अपने क्षेत्रों में पूजा-पाठ व हवन करके दीवाली मनाएं। इसी के मद्देनजर आरडब्ल्यूए पदाधिकारी ऐतिहासिक राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दिन अपनी अपनी आरडब्ल्यूए/ हाउसिंग सोसायटियों में समानांतर राम-संबंधी कार्यक्रमों और गतिविधियों की योजना बनाये। अपने अपने सेक्टर में प्रभात फेरियां, छोटे मंदिरों में पूजा, रामायण के पाठ और हवन आदि का आयोजन अपने अपने निवासियों के साथ उत्साह के साथ मनाए जिससे हमारा नोएडा शहर का वातावरण भक्तिमय हो जाएगा।

चार साल से चला रहा था चोरी की बुलेट

फर्जी नंबर प्लेट लगाकर दिया धोखा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना नॉलेज पार्क पुलिस ने एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। इसके पास से फर्जी नंबर प्लेट लगी बाइक तथा चोरी के दो मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। थाना प्रभारी विपिन कुमार ने बताया कि पुलिस टीम शारदा गोल चक्कर के पास वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि एक बदमाश आपराधिक वारदात को अंजाम देने के इरादे से चोरी की बुलेट मोटरसाइकिल पर आ रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने बाइक सवार को रोकने का इशारा किया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

युवक ने की आत्महत्या

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-2 क्षेत्र के गेझा गांव में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके से पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। मूल रूप से महोबा निवासी मनजीत अपनी पत्नी के साथ गेझा गांव में रामकुमार त्यागी के मकान में किराए पर रह रहा था। बीती शाम उसकी पत्नी किसी काम से घर से बाहर गई थी कुछ देर बाद जब वह वापस लौटी तो मनजीत फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला। मनजीत की पत्नी ने पड़ोसी की मदद से किसी तरह उसे फंदे से नीचे उतरा और नजदीक के अस्पताल लेकर पहुंची। जहां चिकित्सकों से मृत घोषित कर दिया। जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची थाना फेस-2 पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है प्रारंभिक जांच में पता चला है कि मनजीत पिछले कुछ दिनों से मानसिक रूप से परेशान चल रहा था।

विपक्ष की बात

विपक्ष अक्सर तानाशाही शासन की बात करता रहता है। उसे लोकतंत्र और संविधान बचाने की घोर चिंता है, जबकि दोनों ही बेहद सुरक्षित हैं। विपक्ष प्रधानमंत्री मोदी के कालखंड को 'अघोषित आपातकाल' करार देता रहा है। विपक्षी नेता और मुख्यमंत्री प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन नोटिसों को खारिज कर रहे हैं। विपक्ष की शिकायत है कि मोदी सरकार जांच एजेंसियों को, विपक्षी नेताओं के खिलाफ, एक हथियार की तरह इस्तेमाल कर रही है, जबकि सत्ता-पक्ष के कई केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों पर घोटालों के गंभीर आरोप हैं। ईडी, सीबीआई, आयकर विभाग उन पर छापे की कार्रवाई नहीं कर सकते। मोदी सरकार विपक्षी नेताओं को जेल में डाल कर उन्हें चुनाव प्रचार से वंचित रखना चाहती है, ताकि भाजपा-एनडीए एक और बार जीत कर केंद्र में सरकार बना सकें। बेशक इन आरोपों की अपनी तार्किकता है, लेकिन सर्वोच्च अदालत ने विपक्ष की सामूहिक दलीलों को खारिज कर दिया था कि जांच एजेंसियां विपक्ष को प्रायोजित मामलों में फंसा रही हैं। दरअसल यह आम चुनाव, 2024 का दौर है। चुनाव बेहद करीब हैं, लिहाजा विपक्षी गठबंधन भी मंथन और विमर्श कर रहा होगा कि राजनीति, नीति-निर्माण और शासन का कौनसा मॉडल मतदाताओं के सामने प्रस्तुत किया जाए! यह सवाल भी उसके विचारार्थ होगा कि कानून का राज उचित है अथवा भीड़ को एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया जाए? हिंसक भीड़ को संरक्षण देना और उसे कानून के राज से बचाना क्या संवैधानिक है? पश्चिम बंगाल के उत्तरी 24 परगना क्षेत्र में तृणमूल कांग्रेस पार्टी के जिस नेता के भडक़ाने और उकसाने पर भारी भीड़ ने ईडी के अफसरों पर जानलेवा हमला किया, क्या 'भीड़ के शासन' वाले मॉडल की यही व्यवस्था देश में होनी चाहिए? वह गुंडागर्दी कराने वाला नेता आज कहां है? राज्य की पुलिस ने क्या कार्रवाई की है? मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खामोश और निरुत्तर क्यों हैं? ममता ने खुद हिंसक राजनीति के दंश झेले हैं, जानलेवा हमलों का मुकाबला किया है, नतीजतन बंगाल ने उन्हें सत्ता का लगातार जनादेश दिया है। सवाल है कि उनके शासन में भी वही रक्तपात क्यों किया जा रहा है, जिसे झेलकर वह मुख्यमंत्री के पद तक पहुंची हैं? बंगाल में हिंसक टकराव और हमले बार-बार देखे जाते रहे हैं। चाहे पंचायत के चुनाव हों या घोटालों की जांच के लिए एजेंसियों के छापों की कार्रवाई हो, स्थानीय समर्थकों की भीड़ खून का नंगा नाच करती है। क्या ममता ऐसी कानून-व्यवस्था की पक्षधर हैं? वह अक्सर लोकतंत्र, संविधान, संघीय ढांचे का चीत्कार करती रही हैं। कितना खोखला विरोधाभास है? बीते शुक्रवार को ईडी की टीम ने तृणमूल नेता शाहजहां शेख के घर पर छापा मारना था। शेख पर करोड़ों रुपए के राशन घोटाले का आरोप है। उसने गरीबों का अन्न छीना है। उसके वफादार समर्थकों ने टीम का रास्ता रोका, वाहनों पर हमला किया, डंडों और लोहे की रॉड से तीन अफसरों को घायल कर दिया। वे अस्पताल में उपचाराधीन हैं। उन घायल अफसरों ने यह भी बताया है कि स्थानीय पुलिस को फोन कॉल्स की गईं, लेकिन कोई मदद नहीं मिली। पुलिस की प्रतिक्रिया बिल्कुल ठंडी रही। कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है, यह सत्तारूढ़ पार्टी और राज्य सरकार की प्रतिक्रिया थी। दरअसल केंद्रीय जांच एजेंसियों के खिलाफ तृणमूल सरकार और बंगाल में उनके समर्थकों का यह रवैया नया नहीं है। इसे रोकना होगा।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि जो व्यापक, विकाररहित, वाणी के पति और माया-मोह से परे ब्रह्म परमेश्वर हैं, मैंने सुना था कि जगत में उन्हीं का अवतार है। पर मैंने उस (अवतार) का प्रभाव कुछ भी नहीं देखा॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0-भव बंधन ते छूटहिं नर जपि जा कर नाम।
खर्ब निसाचर बाँधेउ नागपास सोइ राम॥

जिनका नाम जपकर मनुष्य संसार के बंधन से छूट जाते हैं, उन्हीं राम को एक तुच्छ राक्षस ने नागपाश से बाँध लिया॥

नाना भाँति मनहिं समुझावा। प्रगट न ग्यान हृदयँ भ्रम छावा॥
खेद खिन्न मन तर्क बढ़ाई। भयउ मोहबस तुम्हरिहिं नाई॥

गरुड़जी ने अनेकों प्रकार से अपने मन को समझाया। पर उन्हें ज्ञान नहीं हुआ, हृदय में भ्रम और भी अधिक छा गया। (संदेहजनित) दु:ख से दु:खी होकर, मन में कुतर्क बढ़ाकर वे तुम्हारी ही भाँति मोहवश हो गए॥

ब्याकुल गयउ देवरिषि पाहीं। कहेसि जो संसय निज मन माहीं॥
सुनि नारदहि लागि अति दाया। सुनु खग प्रबल राम कै माया॥

व्याकुल होकर वे देवर्षि नारदजी के पास गए और मन में जो संदेह था, वह उनसे कहा। उसे सुनकर नारद को अत्यंत दया आई। (उन्होंने कहा-) हे गरुड़! सुनिए! श्री रामजी की माया बड़ी ही बलवती है॥

जो ग्यानिन्ह कर चित अपहरई। बरिआई बिमोह मन करई॥
जेहिं बहु बार नचावा मोही। सोइ ब्यापी बिहंगपति तोही॥

जो ज्ञानियों के चित्त को भी भली भाँति हरण कर लेती है और उनके मन में जबर्दस्ती बड़ा भारी मोह उत्पन्न कर देती है तथा जिसने मुझको भी बहुत बार नचाया है, हे पक्षीराज! वही माया आपको भी व्याप गई है॥

महामोह उपजा उर तोरें। मिटिहि न बेगि कहें खग मोरें॥
चतुरानन पहिं जाहु खगेसा। सोइ करेहु जेहि होई निदेसा॥

हे गरुड़! आपके हृदय में बड़ा भारी मोह उत्पन्न हो गया है। यह मेरे समझाने से तुरंत नहीं मिटेगा। अत: हे पक्षीराज! आप ब्रह्माजी के पास जाइए और वहाँ जिस काम के लिए आदेश मिले, वही कीजिएगा॥

क्रमश:

'हिट एंड रन' कानून पर जागरूकता जरूरी

भारत एक लंबी विरासत को समय के साथ लिए चल रहा है। आगे विकास की गाथा में नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। समय के साथ-साथ आवश्यकता अनुसार हर चीज में परिवर्तन प्रकृति का नियम है। उसी प्रकार से देश में कुछ समय से पूराने कानूनों में संशोधन कर नए नियम बनाए जा रहे हैं जिनमें अब चर्चा में हिट एंड रन का नया कानून है। भारतीय न्याय संहिता में कई नए प्रावधान जोड़े गए हैं और अपडेट किए गए हैं, जिसमें से एक प्रावधान को लेकर देशभर में वाहन चालकों का विरोध जारी है। विरोध का कारण 'हिट एंड रन' का नया कानून है, यानी एक्सीडेंट होने के बाद भागने पर मिलने वाली सजा के नियमों में बदलाव पर ट्रक और बस ड्राइवर विरोध कर रहे हैं। नए हिट एंड रन कानून के तहत अगर रोड एक्सीडेंट में किसी व्यक्ति की मौत हो जाती है और ड्राइवर एक्सीडेंट एरिया से भाग जाता है तो उसे 10 वर्ष तक की सजा हो सकती है। सजा के साथ-साथ ही मौके से भागने वाले ड्राइवर को जुर्माना भी देना पड़ेगा। हिट एंड रन के मामले तब होते हैं जब चालक लापरवाही से गाड़ी चलाते समय किसी व्यक्ति के जीवन, स्वास्थ्य या संपत्ति को नुकसान पहुंचाते हैं और उसके बाद संबंधित कानूनी अधिकारियों के साथ अपने वाहन और ड्राइविंग लाइसेंस को पंजीकृत करने में विफल रहते हैं। आम आदमी के शब्दों में, हिट एंड रन का मतलब गाड़ी चलाते समय किसी व्यक्ति या संपत्ति को मारना और फिर भाग जाना है। सबूतों और गवाहों के अभाव के कारण दोषियों की पहचान करना और उन्हें सजा देना बहुत कठिन हो जाता है।

हालांकि ऐसे कई उदाहरण हैं जब कानून ने उन्हें दोषी ठहराया है। हिट एंड रन के मामलों में सबसे बड़ा मुद्दा किसी भी प्रत्यक्ष सबूत का न होना है। आम तौर पर अपराधी को अपराध स्थल पर खड़ा करने के लिए कोई पुख्ता सबूत नहीं होता है। इससे पुलिस के लिए जांच को आगे बढ़ाना बहुत मुश्किल हो जाता है। कभी-कभी तेज रफ्तार वाहनों और अत्यधिक भीड़ के कारण गवाह भी जांच में मदद नहीं कर पाते हैं। साथ ही गवाह अक्सर कानूनी पचड़े में नहीं फंसना चाहते। पुलिस को ऐसे मामलों में अप्रत्यक्ष सबूतों पर निर्भर रहना पड़ता है। जांच के लिए अपराध स्थल की बहुत सटीक और सावधानीपूर्वक निगरानी की आवश्यकता होती है। दुर्घटना के गवाह भी पीड़ितों की मदद करने के इच्छुक और अनिच्छुक नहीं हैं। इससे काफी जनहानि होती है। वर्ष 2013 में, शीर्ष अदालत ने सरकार को अच्छे लोगों की सुरक्षा के लिए कानून बनाने का निर्देश दिया। हालांकि ये कानून बनने के बाद भी ज्यादातर मामलों के अलावा, आपको यह जानना होगा कि हिट एंड रन कार दुर्घटना के बाद क्या करना है, हिट एंड रन दुर्घटनाओं की रिपोर्ट कहां करनी है, और हिट एंड रन दुर्घटना को कैसे साबित करना है। 1. अगर आपको मौका मिले तो कार की तस्वीर लें। 2. दुर्घटना स्थल पर न जाएं। यदि आप दूसरे ड्राइवर का पीछा करने की कोशिश करते हैं, तो आप स्वयं कानून तोड़ देंगे। 3. यदि आपको या किसी अन्य को चोट लगी हो तो एम्बुलेंस को कॉल करें। 4. पुलिस को दुर्घटनास्थल पर आने के लिए बुलाएं। किसी भी गवाह के साथ संपर्क विवरण का आदान-प्रदान करें। 5. दुर्घटना रिपोर्ट भरते समय पुलिस का सहयोग करें। जितनी जल्दी हो सके दुर्घटना रिपोर्ट की एक प्रति प्राप्त करें। आपका वकील और शायद आपकी बीमा कंपनी इसे देखना चाहेगी। सबसे महत्वपूर्ण बात, किसी कुशल व्यक्तिगत चोट वकील से संपर्क करें।

भारतीय न्याय संहिता में हिट एंड रन कानून में जो नए प्रावधान हैं, उसके मुताबिक अगर गाड़ी ड्राइवर हादसे के बाद पुलिस को सूचना दिए बिना फरार होता है तो उसे 10 साल की सजा होगी। इसके साथ ही भारी जुर्माना भी वसूला जाएगा। इस कड़े प्रावधान का देशभर के ट्रक, ट्रेलर, बस, लोक परिवहन और टैक्सी ड्राइवर विरोध कर रहे हैं। उत्तर भारत के कई राज्यों में इस नए कानून के विरोध में प्रदर्शन हो रहे हैं और हाइवे जाम किए जा रहे हैं। दुर्घटना के आंकड़े बताते हैं कि हिट एंड रन के मामलों में हर साल देश में 50 हजार लोगों की मौत हो जाती है। मौतों के इन आंकड़ों को देखते हुए ड्राइवरों पर सख्ती करते हुए नए कानून में सख्त प्रावधान जोड़े गए हैं। एक दृष्टि से देखें तो ड्राइवरों के लिए आगे कुआं, पीछे खाई है। नए कानून का विरोध करने वाले ड्राइवरों का कहना है कि अगर दुर्घटना के बाद वे मौके से फरार होते हैं तो उन्हें 10 साल की सजा हो जाएगी। अगर वे मौके पर ही रुक जाते हैं तो भीड़ उन पर हमला करके पीट-पीट कर मार देगी। ड्राइवरों के लिए आगे कुआं और पीछे खाई वाली स्थिति हो गई। यह बात सही भी है कि कई बार उग्र भीड़ हिंसक रूप ले लेती है और मामला मॉब लिंचिंग का रूप ले लेता है। इस काले कानून के कारण पूरे देश में ट्रक ड्राइवर चक्का जाम करने की धमकियां दे रहे हैं।

अब देखते हैं कि इस देश की अर्थव्यवस्था कैसे चलती है। देश के ड्राइवर कह रहे हैं कि हम हैं तो देश की अर्थव्यवस्था है, हम नहीं तो देश की अर्थव्यवस्था नहीं, जब तक हम चलेंगे तब तक देश की अर्थव्यवस्था चलेगी, हम नहीं चलेंगे तो देश की अर्थव्यवस्था नहीं चलेगी। अब देखते हैं कि इस कानून का देश के लिए फायदा होता है या नुकसान, समस्त ड्राइवर समाज असंमजस में है कि ऐसा कैसा कानून क्योंकि सडक़ पर चलते हैं तो दुर्घटनाएं हो ही जाती हैं, जानबूझ कर तो हम बिल्ली को भी बचाने का प्रयास करते हैं, मगर कई बार तेज रफ्तार बाइकर्स खुद ट्रकों से टकरा जाते हैं, ऐसे में हम क्या करेंगे। ऐसी बातों से स्पष्ट होता है कि कानून न अच्छा है न बुरा है, कानून तो कानून है, किसी चीज की कमी है तो वो जागरूकता की तथा कानून में भीड़ वाले पहलू की दृष्टि से सोचने की, क्योंकि भीड़ अगर मारपीट करती है तो उसका जिम्मेवार कौन? इन सवालों का जवाब जब मिलेगा तब कानून को लोग स्वयं मानेंगे, वैसे भी यह कानून केवल ट्रक या बस चालकों के लिए नहीं, बल्कि सभी वाहन चालकों के लिए है। कानूनों व नियमों का पालन तो करना ही चाहिए, सरकार को आवश्यकता है कि जनहित से जुड़े इस महत्वपूर्ण कानून पर ड्राइवरों की सलाह व चर्चा-परिचर्चा आवश्यक रूप से करे।

-प्रो. मनोज डोगरा
शिक्षाविद

भारत में भ्रष्टाचारियों के लिए शुरू से ही 'कामधेनु' रही है राजनीति

हाल के दिनों में तमाम ऐसी खबरें आई जब जांच एजेंसियों ने नेताओं के यहां छापेमारी कर करोड़ो की काली कमाई पकड़ी। बीते साल दिसंबर में प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी को झारखण्ड के कारोबारी एवं राज्यसभा सांसद के यहां आयकर छापे में अरबों रुपये बरामद हुए। सोशल मीडिया पर सांसद की अकूत कमाई और नोटों के बंडल की तस्वीरें खूब वायरल हुईं। समाचार आये कि नोट गिनने वाली मशीनें नोट गिनते-गिनते थककर खराब हो गई। थैलों में नोट नहीं आए तो बोरों में भरा गया। कांग्रेस के जरिये सांसद बनने वाले धीरज साहू ने 2018 में राज्यसभा का सदस्य बनने के हलफनामे में अपनी संपत्ति 34 करोड़ के करीब बतायी थी। तो आखिर कैसे महज पांच साल में संपत्ति तीन सौ करोड़ पार कर गई? बहरहाल, यह घटना बताती है कि कैसे देश की राजनीति नेताओं की कमाई के लिये कामधेनु बन गई है।

राज्यसभा सांसद ने दो बार लोकसभा का चुनाव लड़ा और हार गया था। फिर राज्यसभा के जरिये संसद पहुंचने की तिकड़में कीं। जाहिर है, धनबल भी उसका एक जरिया रहा होगा। ऐसा भी नहीं है कि भारी मात्रा में नकदी बरामदगी की यह पहली घटना हो। बीते दिनों ही ईडी ने हरियाणा में अवैध खनन और अन्य मामलों में करोड़ों की नगदी बरामद की। जिन नेताओं के यहां छापेमारी हुए उनमें इंडियन नेशनल लोकदल, कांग्रेस और भाजपा के नेता व उनके करीबी शामिल हैं।

ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि कोई कैसे इतनी अकूत संपत्ति जुटा लेता है। आर्थिक अपराधों पर नजर रखने वाली एजेंसियां क्यों तब खामोश थीं जब संसाधनों की लूट-खसोट जारी थी। सवाल यह भी कि कहीं ऐसे भ्रष्टाचार के मामलों का खुलासा चुनाव प्रक्रिया के आसपास राजनीतिक लाभ के लिये तो नहीं होता? सवाल यह भी है कि क्या सत्ता पक्ष अपने राजनीतिक विरोधियों को बदनाम करने के लिए जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करता है?

भ्रष्टाचार उतना ही पुराना है जितनी राजनीति। फर्क सिर्फ इतना हुआ है कि पहले दाल में नमक होता था और अब नमक में दाल। एक फर्क यह भी कि सामाजिक न्याय की राजनीति में उभार आने के बाद भ्रष्टाचार फूहड़ और बेशर्म भी हुआ। पुराने लोग बताते हैं कि पहली लोकसभा के समय जब फिरोज गांधी ने अपनी ही सरकार के खिलाफ मूंदड़ा केस उठाया तो जवाहर लाल की सरकार हिल गई थी।

हिन्दुस्तान का मानस भी भ्रष्टाचार के नाम पर खूब उद्वेलित होता है। खुद कितना ही भ्रष्ट हो पर अपने नेता को ईमानदार देखना इसकी चाहत रहती है। 1977 और 1989 में क्रमश: जेपी आंदोलन और फिर राजा विश्वनाथ प्रताप सिंह की बोफोर्सी दहाड़ के बल पर दिल्ली का निजाम इसीलिए पलटा खा गया कि मूल में भ्रष्टाचार था। पर इधर सामाजिक न्याय की राजनीति के उभार के बाद राजनेताओं का भ्रष्टाचार और ज्यादा फला-फूला। लालू यादव और शिबू सोरेन की सरकारें रहीं हो या फिर मुलायम और मायावती की या फिर हरियाणा में ओमप्रकाश चौटाला की। कोई सरकार भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से बची नहीं।

राजनीतिक इतिहास के पन्ने पलटें तो देश की आजादी के तुरंत बाद यानी 1948 में जीप घोटाला हुआ। जिन मेनन पर घोटाले के आरोप लगे थे उन्हें बाद में जवाहर लाल नेहरू ने अपनी कैबिनेट में मंत्री बनाया। जीप घोटाले के बाद 1951 में साइकिल आयात घोटाला सामने आया। इसके बाद 1956 में बीएचयू फंड घोटाला, 1958 में हरिदास मूंदड़ा मामला, 1960 में तेजा लोन स्कैम, 1963 में प्रताप सिंह कैरों स्कैम, 1965 में पटनायक कलिंग ट्यूब्स मामला, 1974 में मारुति घोटाला, 1976 में कुओ ऑयल डील, 1981 में अंतुले ट्रस्ट, 1987 में एचडीडब्ल्यू दलाली मामला सामने आया। ये वो मामले थे, जिनका खुलासा देश की आज़ादी के बाद सबसे पहले हुआ। इसके

बाद हुआ बोफोर्स घोटाला। इसकी गूंज आज भी संसद से लेकर सड़क तक सुनाई देती है। इसमें देश की कई बड़ी दिग्गज हस्तियों का नाम आया था।

2010 में भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी की थी। भव्य स्तर पर इसका आयोजन हुआ था। पूरी दुनिया से खिलाड़ी आए थे। आयोजन के एक साल बाद यानी 2011 में इस पर बड़ा दाग लगा। आरोप लगा कि इसमें करीब 70 हजार करोड़ का घोटाला हुआ है। इस मामले में मुख्य तौर पर आयोजन समिति के अध्यक्ष सुरेश कलमाड़ी और उनके सहयोगियों के नाम शामिल रहे।

ये बात 2010 की है। देश में इंटरनेट स्पीड को बढ़ाने के लिए मोबाइल नेटवर्क कंपनियों को 2जी स्पेक्ट्रम की नीलामी की गई। कहा जाता है कि इस पूरे मामले में देश के खजाने को 176 हजार करोड़ की हानि हुई। इस मामले के लिए पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और पूर्व संचार मंत्री ए. राजा को जिम्मेदार ठहराया गया। दिसंबर 2017 में सीबीआई कोर्ट ने इस मुकदमे के सभी आरोपियों को रिहा कर दिया।

राजनेता ही नहीं, कई नौकरशाहों के यहां से भारी मात्रा में नकदी व अचल संपत्ति के कागज बरामद होने की भी खबरें सुनी जाती रही हैं। ये घटनाएं बताती हैं कि जिन राजनेताओं व नौकरशाहों पर सामाजिक न्याय व गरीबों के कल्याण की जवाबदेही थी, वे कदाचार का सहारा लेकर अपना घर भरने में लग जाते हैं। इन घटनाक्रमों से यह समझना भी कठिन नहीं है कि कैसे हमारे जनप्रतिनिधि चुने जाने के कुछ समय बाद ही करोड़ों में खेलने लगते हैं। इससे यह भी प्रदर्शित होता है कि हमारे लोकतंत्र में धनबल व भ्रष्टाचार कितने गहरे तक अपनी पैठ बना चुका है।

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और तमिलनाडु में सत्तारुढ़ डीएमके के मंत्री भ्रष्टाचार में लिप्त पाए गए हैं। इनमें से कई जेल में हैं। दिल्ली का शराब घोटाला वर्तमान में सबसे चर्चित है। आप के दो बड़े नेता तिहाड़ की रोटियां खा रहे हैं। इसी मामले में जांच एजेंसी दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को बार-बार समन भेजकर पूछताछ के लिए बुला रही है, लेकिन वो ईडी के सामने पेश होने की बजाय राजनीतिक ड्रामेबाजी और प्रपंचों में मगन हैं। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी भ्रष्टाचार के मामलों में ईडी सात समन भेज चुकी है। सोरेन भी ईडी के सामने पेश होने की हिम्मत जुटा नहीं पा रहे हैं। बीते दिसंबर में अदालत ने उत्तर प्रदेश की बसपा सरकार में शिक्षा मंत्री रहे राकेश धर त्रिपाठी को भ्रष्टाचार के मामले में तीन साल की सजा सुनाई। बीते 22 दिसंबर को मद्रास हाई कोर्ट ने भ्रष्टाचार और आय से अधिक संपत्ति के मामले में डीएमके नेता और तमिलनाडु के उच्च शिक्षा मंत्री को दोषी ठहराते हुए तीन साल की कैद और 50 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

2014 में केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार के गठन के बाद से भ्रष्टाचार खासकर राजनीतिक भ्रष्टाचार पर कड़ी कार्रवाई की गई। इससे पूर्व राजनीतिक भ्रष्टाचार पर सभी दलों की आपसी समझ और सहमति दिखाई देती थी। चुनावी मंच पर एक दूसरे को भ्रष्ट बताने की होड़ तो लगती थी, लेकिन चुनाव बाद भ्रष्टाचार पर कोई कार्रवाई नहीं होती थी। मोदी ने राजनीतिक दलों की इस समझ और मूक सहमति को तोड़ा है। इसलिए जब जांच एजेंसियां किसी विपक्षी दल के नेता के यहां छापेमारी करती हैं तो एजेंसियों के दुरुपयोग और राजनीतिक प्रतिशोध जैसी बयानबाजी सुनाई देती है।

राजनीतिक दलों की साफ-सुथरी राजनीति की घोषणाएं न सिर्फ दिखावटी, बल्कि पाखंड हैं। इसलिए, जबकि भारत एक ज़िम्मेदार वैश्विक खिलाड़ी के तौर पर खुद को स्थापित करने का ध्येय रख रहा है तो, राजनीतिक नेतृत्व के लिए ये ज़रूरी हो जाता है कि वे राजनैतिक फन्डिंग में पारदर्शिता लाने के साथ ही व्यापक राजनीतिक सुधार लाना अत्यंत जरूरी है। इसके अलावा अदालतों से न्याय मिलने की प्रक्रिया में सुधार और आरटीआई की प्रक्रिया को मज़बूत रखना भी भ्रष्टाचार के खिलाफ़ की जाने वाली लंबी लड़ाई में एक महत्वपूर्ण क़दम होगा। नेताओं के भ्रष्ट आचरण से आमजन में उनकी साख घट रही है।

-डॉ. आशीष वशिष्ठ

राशिफल

पौष कृष्ण-चतुर्दशी (विक्रम संवत् 2080)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
स्वयं के स्वास्थ्य के लिए थोड़ा सा एक दिन खराब रहेगा। जीवनसाथी से थोड़ी से पंगेबाजी कम करिएगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। प्रेमपूर्वक जीवन जिएंगे। नौकरी चाकरी की भी स्थिति अच्छी रहेगी।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
रुका हुआ काम चल पड़ेगा। स्वास्थ्य थोड़ा नरम गरम, प्रेम संतान भी आपका थोड़ा नरम-गरम रहेगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
भावुक मन से लिया गया निर्णय नुक्सान करेगा आपको। थोड़ा सा महत्वपूर्ण निर्णय अभी रोक कर रखें।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। स्वास्थ्य अच्छा है, प्रेम संतान अच्छा है। कुल मिलाकर शुभ समय कहा जाएगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
कन्या राशि की स्थिति ठीक है। अपनों का साथ है। स्वयं एक ऊर्जावान व्यक्ति की तरह एक्ट करेंगे।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
जुबान पर नियंत्रण रखें और अभी निवेश न करें। बाकी स्वास्थ्य अच्छा है, प्रेम संतान की स्थिति अच्छी है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। समाज में सराहे जाएंगे। जीवनसाथी से बहुत नजदीकी बढ़ेंगी।

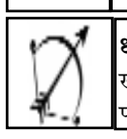

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
खर्च की अधिकता मन को परेशान करेगी। सर दर्द, नेत्र पीड़ा संभव है। जीवन साथी से थोड़ा दुराव रहेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
आय में आशातीत बढ़ोतरी होगी। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। स्वास्थ्य अच्छा, प्रेम संतान अच्छा, व्यापार भी अच्छा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
घर के लोग और प्रेम आपका व्यापारिक दृष्टिकोण से शुभ होगा। प्रेम, संतान, व्यापार अच्छा चल रहा है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
भाग्यवश काम बनेंगे। यात्रा में लाभ होगा। धर्म कर्म हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य अच्छा, प्रेम संतान अच्छा, व्यापार अच्छा।

जहांगीरपुर देहात पहुंची भारत संकल्प यात्रा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। विकसित भारत संकल्प यात्रा जेवर विधानसभा के जहांगीरपुर देहात में पहुंची। प्रधान श्रीनिवास सिंह ने मोदी की गारंटी वाला रथ का स्वागत किया। मुख्य अतिथि के रूप में जेवर के विधायक ठाकुर धीरेंद्र सिंह एवं प्रधानमंत्री कार्यालय से आए आशीष चौहान रहे। नोडल अधिकारी संदीप गुप्ता गांव में किसान सम्मन निधि 960, उज्ज्वल 5, शौचालय लाभार्थी 43, पेंशन विधवा 17, वृद्ध आठ दिव्यांग, दो मुफ्त राशन, पत्र 402 अंतोदय, 30 आयुष्मान भारत, 23 अन्नप्राशन कर बाल विकास महिला कल्याण

गर्भवती 16, धात्री 25, 7 माह से 3 वर्ष 113, 3 वर्ष से 6 वर्ष 77, युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल, 9 महिलाएं, 9 युवक।

इस अवसर पर जेवर के विधायक ठाकुर धीरेंद्र सिंह ने कहा कि यह सरकार गरीबों के लिए समर्पित है।

यह मोदी की गारंटी वाली गाड़ी आपके द्वार पर आई है जो भी आपकी समस्या है उसका भी निराकरण करेगी जो मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं से जो लाभार्थी वंचित रह गया है। उसे जोड़ने का काम यह मोदी सरकार की गारंटी वाली गाड़ी कर रही है। इस अवसर पर अभियान के जिला संयोजक रवि जिंदल, अरविंद सिंह, कुलभूषण शर्मा, सुशील शर्मा, सचिन भारद्वाज, मोजम खान, सविता गुर्जर आदि सैकड़ा लोग उपस्थित रहे।

जेवर टोल पर प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अखिल भारतीय किसान सभा आज जेवर टोल पर प्रदर्शन करेगी। जिसमें हजारों किसान हिस्सा लेंगे। किसानों की मांग है कि नोटिफाई गांव के सभी किसानों की गाड़ियां यमुना एक्सप्रेस वे पर परिचय पत्र दिखाने का आधार पर फ्री में निकालनी चाहिए। किसान सभा के जिलाध्यक्ष डॉ रुपेश वर्मा ने कहा कि जिन किसानों ने अपने पुरखों की जमीन सड़कों में दी है उनसे भी टोल वसूली होती है यह सरासर अन्याय है किसान इसको बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करेंगे और किसानों के लिए यमुना एक्सप्रेसवे टोल फ्री किया जाएगा। किसान सभा के युवा नेता प्रशांत भाटी ने कहा कि जीरो पॉइंट से सैकड़ो किसान जेवर टोल के लिए प्रस्थान करेंगे। इसी सिलसिले में किसान सभा ने कई गांवों में प्रचार किया नुक्कड़ सभाएं कर लोगों का आह्वान किया।

शहीद भगत सिंह मंडल का अध्यक्ष बनने पर रवि प्रधान ने कल भाजपा की जिला प्रभारी कांता कर्दम को गुलदस्ता देकर उनका आभार प्रकट करते हुए। साथ में हैं भाजपा नोएडा महानगर के अध्यक्ष मनोज गुप्ता।

जेवर बार एसोसिएशन अध्यक्ष को दिलाई गई शपथ

जेवर। बार एसोसिएशन जेवर के तत्वावधान में मुख्य अतिथि जिला जज व बार काउंसिल उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष शिवकिशोर गौड की मौजूदगी में एल्डर कमेटी जेवर के अध्यक्ष ने बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष को तहसील मुख्यालय पर भव्य समारोह में शपथ ग्रहण करायी गयी।

एल्डर कमेटी के अध्यक्ष व वरिष्ठ अधिवक्ता एचएल शर्मा ने बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुनील चौधरी के अलावा सचिव पद पर मोहित शर्मा,सह सचिव उम्मेद सिंह छौंकर, कोषाध्यक्ष राकेश कुमार, सांस्कृतिक पद पर ललित कुमार, पुस्तकालय अध्यक्ष पद पर गीता चौधरी व लेखा निरीक्षक पद पर

रमन चौधरी को खचाखच भरें भव्य समारोह में शपथ ग्रहण कराया गया।

शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि जिला जज अभिनीष सक्सेना व बार काउंसिल उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष शिवकिशोर गौड, सीजेएम बबीता पाठक, सीजेएम जेवर नाजिम अकबर ने समारोह में बार एसोसिएशन की नवनिर्वाचित कमेटी को शुभकामनाएं दी और मौजूद सभी अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए अपने विचार व्यक्त किये।

इस मौके पर अनिल छौंकर, धर्मपाल सिंह तालान, यादवेंद्र सिंह,मुकेश प्रताप सिंह,सुदेश छौंकर,नवीन अत्री,जैद फारूकी,दीपक छौंकर,मनोज चौधरी, नरेन्द्र पाल सिंह,संजीव चौधरी,राजेन्द्र सिंह छौंकर, दिनेश छौंकर,संजीव गौड, कपिल छौंकर समेत आदि अधिवक्ता मौजूद थे। समारोह का संचालन विजेन्द्र सिंह एडवोकेट ने किया।

तहसील मुख्यालय पर आयोजित बार एसोसिएशन के शपथग्रहण समारोह में पहली बार देखा गया की तहसील मुख्यालय पर तैनात अधिकारी शपथग्रहण समारोह में नजर नही आये जिसको लेकर चर्चा का विषय बना हुआ है।

बार एसोसिएशन जेवर के अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए सुनील चौधरी के शपथग्रहण समारोह में पहुंचे जाट समाज के लोगों ने सिर पगड़ी बांधी व राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष की ओर से हरवीर सिंह तालान, जुगेंद्र सिंह तालान, वीरेन्द्र पुनिया, नागेन्द्र अत्री ने बधाई संदेश देकर मंच पर सम्मानित किया।

गोदाम से चुराए थे बिजली के तार के बंडल, 6 गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना एक्सप्रेस-वे पुलिस ने दो माह पूर्व वाजिदपुर गांव के एक गोदाम में हुई चोरी का खुलासा करते हुए 6 अंतर्राज्यीय चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से गोदाम से चोरी किए गए बिजली के तार के 70 बंडल दो स्विफ्ट डिजायर कार तमंचा कारतूस बरामद किए हैं। पकड़े गए बिजली के तारों के बंडलों की कीमत 8 लाख रुपए बताई जाती है।

थाना प्रभारी सरिता मालिक ने बताया कि बीती रात्रि पुलिस को सूचना मिली कि गत दिनों बाजितपुर गांव में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले गिरोह के सदस्य चोरी के तारों को दो स्विफ्ट गाड़ियों में लेकर पुस्ता रोड की तरफ आने वाले है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने पुस्ता के ऊपर बैरियर लगाकर चेकिंग शुरू कर दी। कुछ देर बाद यमुना डूब क्षेत्र की तरफ से आ रही दो शिफ्ट कारों को मुखबिर के इशारे पर रुकने का इशारा किया गया। पुलिस कर्मियों को देखकर कार सवारों ने बैरियर को तोड़कर भागने का प्रयास किया लेकिन पुलिसकर्मियों ने उन्हें दबोच लिया। स्विफ्ट कारों की तलाशी लेने पर उनमें से बिजली के तार के 70 बंडल बरामद हुए। पुलिस ने कार सवार रामू पाल, ओवेंद्र उर्फ योगी उर्फ चटकनी, सत्येंद्र कुमार, शिवम, उत्तम उर्फ राज व प्रदीप को गिरफ्तार किया। इनके पास से तमंचे और कारतूस भी बरामद हुए। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने 10 नवंबर 2023 की रात्रि को ग्राम बाजितपुर में एक गोदाम में चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। गोदाम में रखें बिजली के तारों के बंडलों को वह चोरी कर ले गए थे। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने अपने साथी राहुल उर्फ रामू मदन मनीष तथा आबिद खान के साथ मिलकर चोरी की घटना को अंजाम दिया था।

थाना प्रभारी ने बताया कि पकड़े गए आरोपी शातिर बदमाश हैं। इन्होंने पूर्व में मथुरा के वृंदावन थाना क्षेत्र में एक सिक्योरिटी गार्ड से बंदूक लूट की घटना को भी अंजाम दिया था। इसके अलावा आरोपियों ने चंडीगढ़ व जयपुर सहित कई स्थानों पर चोरी की वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है।

अवैध स्टोन क्रेशर पर छापा, ट्रेक्टर ट्रॉली व मशीन जब्त

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-126 पुलिस ने यमुना के डूब क्षेत्र में अवैध रूप से चल रहे स्टोन क्रेशर पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान स्टोन क्रशर संचालक मौके से फरार हो गए। पुलिस ने यहां से ट्रैक्टर ट्रॉली की मशीन को जब्त कर लिया है।

थाना प्रभारी सुबोध कुमार ने बताया कि बीती रात्रि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि सेक्टर-125 में यमुना किनारे डूब क्षेत्र में अवैध तरीके से रोड़ी बदरपुर व पत्थर आदि की मशीनों के द्वारा पिसाई का कार्य किया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने बताए गए स्थान पर छापा मारा इस दौरान स्टोन क्रेशर पर काम कर रहे लोग पुलिस को देखकर भाग निकले। पुलिस ने मौके से दो ट्रैक्टर दो पिसाई मशीन को जब्त कर लिया।

थाना प्रभारी ने बताया कि अवैध रूप से स्टोन क्रेशर का संचालन करने के आरोप में महेंद्र व भूरा भाटी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है पुलिस दोनों आरोपियों की तलाश कर रही है।

कमरे से लैपटॉप व मोबाइल चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के ग्राम सदरपुर में किराए पर रहने वाले एक युवक के कमरे से लैपटॉप में मोबाइल फोन चोरी हो गया घटना के समय पीड़ित अपने कमरे में सोया हुआ था।

मूल रूप से मुजफ्फरपुर बिहार निवासी धनंजय कुमार सदरपुर गांव में अनिल चौहान के मकान में किराए पर रह रहा है। बीते 4 जनवरी को वह 2 बजे अपने ऑफिस से कमरे पर आया और सो गया। सुबह जब वह सोकर उठा तो उसे कमरे से लैपटॉप मोबाइल फोन तथा सूटकेस गायब मिला। इसके अलावा चोर कमरे में रखे उसके पर्स को भी चोरी कर ले गए। धनंजय ने बताया कि कमरे में उसके सोने के बाद किसी व्यक्ति ने खिड़की से हाथ डालकर उसके दरवाजे की कुंडी खोल ली और चोरी की वारदात को अंजाम दिया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

छत से गिरकर मरा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दनकौर क्षेत्र के तुलसी नगर कॉलोनी में छत से गिरने के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई।

मूल रूप से टीकमगढ़ मध्य प्रदेश निवासी बल्लू कस्बा दनकौर की तुलसी नगर कॉलोनी में किराए पर रह रहा था बीती रात्रि वह छत पर टहल रहा था। इस दौरान वह संतुलन बिगड़ने के कारण नीचे आ गिरा। पड़ोसियों ने गंभीर स्थिति में उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के दौरान बल्लू की मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि अस्पताल से सूचना मिलने पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर परिजनों को सूचना दे दी गई है।

नशा मुक्ति केन्द्र में भर्ती युवक की मौत

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-78 के लाइफ केयर फाऊंडेशन नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मौत के कारणों का पता लगाने के लिए थाना सेक्टर-113 पुलिस शव का पोस्टमार्टम करा रही है। बसंत विहार दिल्ली निवासी राहुल पुत्र लल्लू राम के परिजनों ने उसे सेक्टर-78 स्थित लाइफ केयर फाऊंडेशन नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया था। परिजनों के मुताबिक राहुल नशे का आदी था। उसकी नशे की लत छुड़वाने के लिए उसे नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया गया था। बीते दिनों राहुल की अचानक तबीयत खराब हुई। इसके बाद नशा मुक्ति केंद्र के संचालकों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के दौरान राहुल की मौत हो गई।

अस्पताल से सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। थाना प्रभारी सर्वेश कुमार सिंह का कहना है कि इस संबंध में परिजनों ने अभी कोई तहरीर नहीं दी है। परिजन अगर तैयारी देते हैं तो विधिक कार्रवाई की जाएगी।

एक्सप्रेसवे पर हादसा, राहगीर की मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना ईकोटेक-1 क्षेत्र के घरबरा गांव के पास एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर बीती रात्रि पैदल जा रहे एक व्यक्ति को तेज गति में आ रहे हैं बाइक सवार ने टक्कर मार दी। हादसे में राहगीर गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया जांच चिकित्सकों से मृत्यु घोषित कर दिया। मृतक की पहचान बदायूं निवासी अमर सिंह पुत्र रामपाल के रूप में हुई।

अमरपाल सिंह फेरी लगाकर अपने परिवार का भरण पोषण कर रहा था। थाना प्रभारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

ग्रेटर नोएडा में चला बाबा का बुल्डोजर, राजेन्द्र मकोड़ा की बिल्डिंग को मिटटी में मिलाया

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। बुधवार को दिन निकलते ही बाबा का बुल्डोजर चला है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अतिक्रमण हटाओ दस्ते ने पूरे लाव लश्कर के साथ आधा दर्जन बुल्डोजर लगाकर तुस्याना भूमि घोटाले के आरोपी राजेन्द्र मकोड़ा की अवैध बिल्डिंग को तोड़ डाला। देखते ही देखते सरकारी जमीन पर बनी हुई पांच मंजिला बिल्डिंग मिटटी में बदल गई। बाबा का बुल्डोजर चलने की इस घटना की सर्वत्र चर्चा हो रही है। आपको बता दें कि अनेक भूमि घोटालों के मास्टरमाईड राजेन्द्र मकोड़ा की बीते शुक्रवार को मौत हो गयी थी। अभी तक राजेन्द्र मकोड़ा की तेरहवी तक नहीं हुई है। इसी बीच ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अतिक्रमण हटाओ दस्ते ने बुधवार की सुबह ग्रेटर नोएडा में कैलाश अस्पताल के पास (नॉलेज पार्क-1) में बनी राजेन्द्र मकोड़ा की कॉमर्शियल बिल्डिंग (मॉल) को बुल्डोजर लगाकर तोड़ डाला। पूरे क्षेत्र में इस कार्यवाही की खबर आग की तरह फैल गयी है। आपको बता दें कि राजेन्द्र मकोड़ा की जिस बिल्डिंग को तोड़ा गया है वह बिल्डिंग ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के हरित क्षेत्र (नर्सरी) पर बनाई गई थी। यह जमीन राजेन्द्र मकोड़ा ने तुस्याना में अवैध रूप से कब्जाई गई जमीन का मुआवजा उठाने के बाद फर्जी दस्तावेजों के आधार पर आवंटित करा ली थी।

पृष्ठ एक के शेष....

बच्चे का बेरहमी...

ऐसा नहीं लग रहा कि बच्चे का गला हाथों से दबाया गया हो, शव को देखकर लग रहा है कि तकिया या किसी अन्य सामग्री के इस्तेमाल से इस वारदात को अंजाम दिया गया है। नाइक ने कहा कि बच्चे के शरीर पर कोई खून की कमी या किसी तरह के संघर्ष का निशान नहीं था। हालांकि, नाइक ने कहा कि वे सटीक समय नहीं बता सकते लेकिन उसकी मौत को 36 घंटे हो चुके हैं।

बना एक नया रिकार्ड...

नोएडा अपने छोटे-बड़े उद्योगों के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। इस शहर की पूरी व्यवस्था नोएडा प्राधिकरण संचालित करता है। नोएडा प्राधिकरण ने नोएडा शहर में उद्योग लगाने के लिए हाल ही में अपनी एलॉटमेंट पॉलिसी (आंवटन प्रक्रिया) में बदलाव किया है। यह बदलाव नोएडा प्राधिकरण के अध्यक्ष तथा उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक एवं अवस्थाना विकास आयुक्त (आईडीसी) मनोज कुमार सिंह के निर्देश पर किया गया। अब नोएडा में फैक्टरी लगाने के लिए उद्योगपतियों को प्लॉट लेने के लिए ड्रॉ अथवा ई-नीलामी की प्रक्रिया के झमेले में नहीं पड़ना पड़ता है। अब सीधे इंटरव्यू लेकर उद्योगपतियों को प्लॉट एलॉट किया जाता है। इसी योजना के तहत मंगलवार को 220 उद्योगपतियों के इंटरव्यू लेकर ग्यारह (11) उद्योगपतियों को फैक्टरी लगाने के लिए प्लॉट आवंटित किए गए।

थाने के बाहर...

से स्थित विनायक अस्पताल में भर्ती कराया गया था उपचार के दौरान बीती देर रात उसकी मौत हो गई। अस्पताल से सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची थाना सेक्टर-20 पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया और थाना लोनी बॉर्डर पुलिस को सूचना दी। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि मोहित ने बीते 1 जनवरी को थाने के बाहर पेट्रोल छिड़क कर आत्मदाह करने का प्रयास किया था। गंभीर स्थिति में पुलिस का परिजनों ने उसे नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया था। इसके बाद परिजन उसे उपचार के लिए सेक्टर-27 के विनायक अस्पताल लेकर आए थे उपचार के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई थी।

ट्रक में घुसी...

अपने साथी के साथ राजस्थान के सवाई माधोपुर से महिंद्रा पिकअप में अमरूद भरकर दिल्ली के मंडी के लिए आ रहा था। ग्राम नौरंगपुर के पास उनके महिंद्रा पिकअप एक ट्रक से भिड़ गई जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर परिजनों को हादसे की जानकारी दे दी गई है।

उधारी के झगड़ा...

लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। इस दौरान अचानक गोली चलने की आवाज आई और तनुज नागर लहूलुहान हो गया। गोली चलने की जानकारी मिलने पर मौके पर थाना दादरी पुलिस पहुंची। पुलिस ने घायल तनुज नागर को उपचार के लिए नवीन अस्पताल में भर्ती कराया। मौके से पिस्टल मैगजीन व खोखा कारतूस बरामद हुआ है।

एडीसीपी ने बताया कि प्रथम दृष्टा तनुज नागर के द्वारा आरोपी ऋषभ गुप्ता में उसके परिजनों को दबाव में लेने के लिए खुद के हाथ में गोली मारना प्रतीत हो रहा है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच पड़ताल कर रही है।

भाजपा नेता को..

फीडबैक देने पर जमकर हड़काया और अभद्र व्यवहार किया। थाना प्रभारी ने बताया कि भाजपा नेता द्वारा उपलब्ध कराए गए नंबर के आधार पर जांच पड़ताल की जा रही है।

चार साल से चला...

पुलिस को देखकर बाइक सवार भाग निकला। पुलिसकर्मियों ने बुलेट बाइक पर सवार आरोपी को दबोच लिया। तलाशी में उसके पास से दो मोबाइल फोन मिले। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम कपिल सोलंकी पुत्र वीरपाल सिंह बताया। कपिल सोलंकी ने कबूल किया कि उसके पास से मिले दोनों मोबाइल फोन चोरी के हैं। बुलेट मोटरसाइकिल के नंबर को जब ई-चालान एप पर डालकर चेक किया गया तो पता चला कि उस पर फर्जी नंबर प्लेट लगी हुई थी। उक्त बुलेट बाइक थाना कासना क्षेत्र से चोरी हुई थी। आरोपी ने बताया कि उसने यह बुलेट मोटरसाइकिल 4 वर्ष पहले थाना कासना क्षेत्र से चोरी की थी। पुलिस से बचने के लिए उसने इसकी नंबर प्लेट को बदल दिया था। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया है। बरामद बाइक के बारे में थाना कासना पुलिस को भी सूचना दी गई है।

रॉन्ग साइड ट्रक चलाने...

को रोकने का इशारा किया लेकिन वह भाग निकला। यातायात पुलिस कर्मियों ने पीछा कर ट्रक को रुकवा लिया और चालक अमरपाल को पकड़ लिया इसके बाद आरोपी को थाना बादलपुर पुलिस के हवाले कर उसके खिलाफ धारा-279 आईपीसी के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया।

ग्रेटर नोएडा में भाजपा...

आरोपी जबरन उसके घर में घुस गए और लाठी डंडों व लोहे की रॉड से जानलेवा हमला कर किया। इस हमले में परिवार के लोग घायल हो गए घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। वहीं दूसरे पक्ष के तरुण शर्मा ने बताया कि उनके बेटे की इंस्टाग्राम आईडी पर आर्यन कसाना नाम की आईडी से उनकी बेटी के बारे में गलत शब्दों का प्रयोग करते हुए मैसेज भेजा गया। इसके अलावा उक्त आईडी से पिस्तौल के फोटो भी सेंड किए गए। उन्होंने आरोप लगाया की आईडी से मैसेज के जरिए उनके बेटे को जान से मारने की धमकी दी गई इस बात की शिकायत करने के लिए जब पड़ोसी राज सिंह के घर पहुंचे तो उन्होंने तथा उनके पुत्र मोहित ने उन पर जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

एआई कंपनी की सीईओ....कातिल मां ने किया 4 साल के बेटे का कत्ल

बेंगलुरु । कर्नाटक के चित्रदुर्ग में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जिसने मां और बेटे के रिश्ते को ही तार-तार कर दिया है। दरअसल, एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी की महिला सीईओ सूचना सेठ ने अपने 4 साल के बेटे की हत्या कर दी। इतना ही नहीं महिला बेटे की लाश को ठिकाने लगाने के लिए लाश को बैग में लेकर गोवा से कर्नाटक जा रही थी, लेकिन पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया है। ये कातिल मां माइंडफुल एआई लैब की फाउंडर है। कातिल मां सूचना सेठ की माइंडफुल एआई लैब डेटा साइंस टीमों और स्टार्टअप्स को सलाह देने का काम करती है। इसके साथ ही मशीन लर्निंग सॉल्यूशंस मुहैया कराती है। एआई कंपनी की सीईओ सूचना सेठ गोवा के कैंडोलिम में होटल में अपने बेटे के साथ रुकी थी, लेकिन जब महिला होटल छोड़कर निकलने लगी तब बच्चा उसके साथ नहीं था। महिला को अकेले जाते देखने के बाद होटल स्टाफ को शक हुआ, लेकिन सूचना ने कहा कि उसने अपने बच्चे को पहले ही घर भेज दिया है। महिला के होटल से चेकआउट करने के बाद जब स्टाफ कमरे की सफाई के लिए पहुंचा, तब वहां खून के धब्बे देख हैरान रह गया और इसकी जानकारी पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस ने इसम मामले में तत्परता से कार्रवाई शुरू की और जिस टैक्सी से महिला होटल से निकली थी, उसके ड्राइवर का फोन नंबर पता लगाकर पूरा मामला बताया। पुलिस के बातचीत के बाद वह टैक्सी चालक कर्नाटक के चित्रदुर्ग इलाके के पुलिस स्टेशन में लेकर चला गया और इस तरह से ये कातिल मां पुलिस की गिरफ्त में आ गई।

बंगाल में ममता राज में पैसे लेकर अयोग्य अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरी दी गई

-डब्ल्यूबीएसएससी घोटाले में अंदर हैं ममता के करीबी

नई दिल्ली । भाजपा ने पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार पर नौकरी देने के नाम पर पैसे लेकर मैरिट में फेरबदल करने, मेधावी अभ्यर्थियों के नाम मैरिट में पीछे करने और पैसे लेकर अयोग्य अभ्यर्थियों के नाम मैरिट में जोड़ने के अपने आरोप को दोहराकर वीडियो जारी कर ममता सरकार में हुए कई घोटालों को गिनाया है। विपक्षी गठबंधन में शामिल दलों के खिलाफ सोशल मीडिया पर भाजपा अभियान चला रही। भाजपा ने कहा, घमंडिया अलायंस के काले कारनामे के एपिसोड-9 में देखिए। कि किस तरह ममता सरकार ने नौकरी देने के नाम पर पैसे लेकर मैरिट में फेरबदल की, कैसे मेधावी अभ्यर्थियों के नाम मैरिट में पीछे किए और पैसे लेकर अयोग्य अभ्यर्थियों के नाम मैरिट में जोड़ दिए गए। भाजपा ने 2 मिनट 34 सेकंड के वीडियो में आरोप लगाकर कहा है कि , वैसे पिछले 12 साल में ममता सरकार के घोटालों की लिस्ट बहुत लंबी है और इन्हीं घोटालों में एक नाम है, डब्ल्यूबीएसएससी घोटाला। साल 2016 में स्कूलों में शिक्षकों ग्रुप सी एवं डी के लिए 8611 कर्मचारियों की नियुक्ति की गई थी। भर्ती में ममता सरकार पर आरोप लगा कि कम नंबर वालों को ऊपर स्थान दिया गया और कुछ उम्मीदवारों का मैरिट लिस्ट में नाम नहीं होने पर भी उन्हें सीधे नियुक्ति दी गई। इस पूरे घोटाले को ममता के करीबी पार्थ चटर्जी ने उस समय शिक्षा मंत्री रहते हुए आला अधिकारियों और टीएमसी नेताओं के साथ मिलकर अंजाम दिया। जिसमें डब्ल्यूबीएसएससी ने अब कोर्ट में माना है कि ओएमआर शीट में गड़बड़ी कर घोटाले को अंजाम दिया गया था। भाजपा ने वीडियो में मामले में जांच एजेंसी ईडी द्वारा जुलाई 2022 में पार्थ चटर्जी और उनके करीबी अर्पिता मुखर्जी के ठिकानों सहित 14 जगहों पर की गई छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में बरामद हुए कैश और कई किलो सोना का जिक्र कर मामले में हुई कई गिरफ्तारियों की भी बात कही और साथ ही ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी के साथ किए जा रहे पूछताछ का भी जिक्र किया है।

एक गुमनाम चिट्ठी से हड़कंप : आरपीएफ में बड़े सेक्स स्कैंडल की शंका

मुंबई। ट्रांसफर पोस्टिंग और मनमाफिक तैनाती के बहाने आरपीएफ में महिला आरक्षकों का यौन शोषण की आशंका जताई जा रही है। एक गुमनाम चिट्ठी ने पूरे महकमें में हड़कंप मचा दी है। इस पत्र में आरपीएफ में तैनात एक महिला कांस्टेबल ने पत्र लिख कर पश्चिम रेलवे के अपर महाप्रबंधक से इसकी शिकायत की है। इसमें महिला ने बताया है कि वरिष्ठ अफसर तीन साल से उसका यौन शोषण कर रहा है। महिला कांस्टेबल का आरोप है कि उनका वरिष्ठ अधिकारी अय्याश प्रवृत्ति का है। कांस्टेबल से लेकर निरीक्षक रैंक तक की महिला कर्मचारियों को वह नहीं छोड़ता है। तबादले की धमकी देकर उनका यौन शोषण करता है। यदि कोई उसकी बात नहीं मानती हैं तो उनकी नौकरी खाने की धमकी देता है। मीडिया में आ रही खबरों के मुताबिक पत्र में कहा गया है कि दूसरे रेल मंडल से स्थानांतरित होकर आई महिला कांस्टेबलों को पोस्टिंग के लिए हेड क्वार्टर में रखा जाता है, यहां इंतजार करने के नाम पर उनका यौन शोषण किया गया। उक्त मीडिया रिपोर्ट में सुमित ठाकुर, सीपीआरओ, पश्चिम रेलवे के हवाले से बताया गया है कि इस मामले में एक अज्ञात पत्र मिला है। जिसकी जांच की जाएगी। एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चिट्ठी में लिखा है कि वह अकेली नहीं है। विभिन्न रेलवे मंडलों के आरपीएफ में कार्यरत कई महिला कांस्टेबल यौन उत्पीड़न की शिकार हैं। ये सभी जांच में सहयोग के लिए तैयार हैं। पीड़िता का दावा है कि उक्त अधिकारी को महिला आरक्षक (कांस्टेबल) मुहैया कराने में तीन आरपीएफ निरीक्षक शामिल हैं। इनमें दो निरीक्षक (एक महिला और एक पुरुष) मुंबई मंडल में और एक महिला निरीक्षक दाहोद में कार्यरत है। सभी पीड़ित महिला कांस्टेबल इस वरिष्ठ अधिकारी के खिलाफ बोलने को तैयार हैं।

चुनाव आयुक्त से मिले चंद्रबाबू नायडू, जगन मोहन रेड्डी सरकार पर लगाया बड़ा आरोप

हैदराबाद। तेलुगु देशम पार्टी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को विजयवाड़ा में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार से मुलाकात की। बैठक के दौरान उन्होंने आंध्र प्रदेश में वाईएसआरसीपी सरकार के खिलाफ कई शिकायतें उठाईं। उन्होंने चुनाव आयोग के अधिकारियों को स्थिति की जानकारी दी जब वे आगामी विधान सभा और लोकसभा चुनावों से पहले राज्य के दो दिवसीय दौरे पर थे। मुलाकात के दौरान चंद्रबाबू नायडू के साथ जनसेना प्रमुख पवन कल्याण भी मौजूद थे। आंध्र प्रदेश में लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा के भी चुनाव होने हैं। चुनाव आयोग के अधिकारियों से मुलाकात के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए नायडू ने आरोप लगाया कि किसी भी अन्य समय के विपरीत अत्याचार हो रहे हैं। लोकतंत्र का मजाक उड़ाया जा रहा है। हमें काम करने से रोकने के लिए, उन्होंने (वाईएसआरसीपी सरकार) हमारी पार्टी, उसके कार्यकर्ताओं और नेताओं की पूरी संरचना को नष्ट करने की कोशिश की। पूर्व मुख्यमंत्री ने वाई एस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर फर्जी मतदाताओं को शामिल करके मतदाता सूची में हेरफेर करने का भी आरोप लगाया।

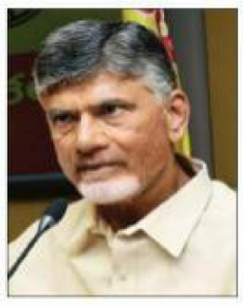

पीएम मोदी का मजाक उड़ाने वाले मंत्री ने जयशंकर को दी बधाई

नई दिल्ली । पीमए नरेंद्र मोदी का मजाक उड़ाने वाले मालदीव के मंत्री ने विदेश मंत्री जयशंकर को जन्मदिन की बधाई दी है। बता दें कि पीएम की हालिया लक्षद्वीप यात्रा के बाद भारत के खिलाफ अपनी अपमानजनक टिप्पणियों को लेकर ऑनलाइन आलोचना का सामना करने वाले मालदीव के राजनेता जाहिद रमीज निशाने पर आ गए थे। उन्होंने मंगलवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। जाहिद रमीज़ ने एक्स पर लिखा आदरणीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर को जन्मदिन की शुभकामनाएँ! आपको सफलता और सकारात्मक कूटनीतिक प्रयासों से भरे साल की शुभकामनाएं। रमीज़ उस पोस्ट का जवाब दे रहे थे जिसमें जयशंकर ने जन्मदिन की शुभकामनाओं के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद दिया था। विदेश मंत्री एस. जयशंकर के जन्मदिन पर पीएम मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर शुभकामनाएं देते हुए लिखा कि केंद्रीय मंत्री एस जयशंकर जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं। भारत की विदेश नीति को आकार देने में उनका समर्पण और योगदान अनुकरणीय रहा है। यह वर्ष और अधिक सफलता और अच्छा स्वास्थ्य लेकर आए क्योंकि वह समर्पण के साथ हमारे देश की सेवा करना जारी रखेंगे।

पीएम मोदी ने मंत्रियों को दिया सख्त संदेश, आस्था दिखाएं, गुस्सा नहीं

-कैबिनेट की बैठक में अयोध्या प्राण प्रतिष्ठा के दिन सचेत रहने की सभी को दी सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने कैबिनेट की बैठक में अपने मंत्रियों को प्राण-प्रतिष्ठा के दिन संयम बरतने का सख्त संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि मंत्रीगण आस्था दिखाएं न कि गुस्सा। सूत्रों के मुताबिक प्रधानमंत्री ने राम मंदिर को लेकर पार्टी नेताओं और मंत्रियों से संयमित रहने को कहा है। साथ ही साथ उन्हें फालतू बयानबाजी ना करने की बात कही है। उन्होंने मंत्रियों से कहा कि 22 जनवरी को आपको सचेत रहना है। आपको आस्था दिखाना है ना कि गुस्सा। उन्होंने कहा कि सरकार की मर्यादा को आप लोग बनाए रखें। पीएम नेताओं को बयान बाजी से बचने की नसीहत दे रहे है। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की गड़बड़ी न हो, इस बात का ध्यान रखें। 22 जनवरी के बाद लोगों को राम मंदिर का दर्शन कराए। अपने इलाके के लोगों को राम मंदिर लेकर आए। भाजपा ने अयोध्या में श्री राम मंदिर के भव्य प्रतिष्ठा समारोह का देश भर में बूथ स्तर पर सीधा प्रसारण करने की तैयारी में है।

22 जनवरी, 2024 को होने वाले कार्यक्रम के ?लिए बीजेपी कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर श्रीराम अभिषेक के लाइव प्रसारण के लिए बड़ी स्क्रीन लगाने का निर्देश दिया गया है। इस पहल का उद्देश्य आम लोगों को श्रीरामलला के अभिषेक को देखने का एक साधन प्रदान करना है। सूत्र ने कहा कि इस तरह आम जनता श्रीरामलला के दर्शन कर सकती है और अभिषेक समारोह देख सकती है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शनिवार को ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल की उस टिप्पणी पर निशाना साधा, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर मुसलमानों से 20 से 26 जनवरी के बीच घर पर रहने को कहा था। गिरिराज सिंह ने कहा कि बीजेपी मुसलमानों से नफरत नहीं करती। हम सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मंत्र के साथ काम करते हैं।

बता दें कि अयोध्या भूमि विवाद मामले के पूर्व वादी इकबाल अंसारी को राम मंदिर के अभिषेक समारोह के लिए आमंत्रित किया गया है और वह प्रार्थना में भी भाग लेंगे। भाजपा नेता ने साफ तौर पर कहा कि बदरुद्दीन अजमल, औवेसी जैसे लोग समाज में नफरत फैलाते हैं। बीजेपी सभी धर्मों का सम्मान करती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अजमल ने मुसलमानों से 20 से 26 जनवरी के बीच घर पर रहने और उस अवधि में अयोध्या में होने वाले राम मंदिर अभिषेक समारोह के दौरान ट्रेनों में यात्रा करने से बचने के लिए कहा है। उन्होंने बीजेपी को हमारे धर्म की दुश्मन बताया है।

भरत-ब्रिटेन के बीच सुरक्षा समझौता करने यूके पहुंचे राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दो दिनों के यूके दौरे पर ब्रिटेन पहुंचे हैं। इस दौरान ब्रिटेन और भारत के बीच कुछ रणनीतिक और सुरक्षा करारों पर समझौते हो सकते है। गौरतलब है कि यह यात्रा पहले जून 2022 में होने वाली थी, लेकिन यह अब हो रही है। भारत के किसी रक्षा मंत्री का बीते 22 सालों में यह पहला ब्रिटेन दौरा है। कहा जा रहा है कि अप्रैल 2022 में पीएम नरेंद्र मोदी और तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की मुलाकात हुई थी। इसी दौरान दोनों के बीच डिफेंस पार्टनरशिप पर आगे बढ़ने को लेकर बात हुई थी। इस यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की यूके के डिफेंस मिनिस्टर ग्रैंट शैप्स से मुलाकात होगी। वह लंदन में स्थित महात्मा गांधी और डॉ. बीआर अंबेडकर मेमोरियल का भी दौरा करेंगे। राजनाथ सिंह के साथ डीआरडीओ के प्रतिनिधि और डिफेंस इंडस्ट्री के कुछ लीडर्स पर भी होंगे। उनकी मुलाकात पीएम ऋषि सुनक और विदेश मंत्री डेविड कैमरून से भी होगी। जानकारी इस यात्रा को भारत और ब्रिटेन के रिश्तों के लिहाज से अहम मान रहे है और दोनों देशों के बीच भरोसा जगाने की बात हो रही है। खासतौर पर तब जब पीएम ऋषि सुनक सितंबर 2023 में जी-20 समिट में हिस्सा लेने के लिए भारत आए थे। यह विजिट इसलिए भी अहम है क्योंकि भारत ने हाल ही में खालिस्तानी तत्वों को यूके में शरण मिलने को लेकर चिंता जताई थी। यह यात्रा भारत और ब्रिटेन के बीच रक्षा संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए अहम है। दरअसल अब तक ब्रिटेन भारत के साथ रणनीतिक संबंधों के मामले में टॉप 5 देशों में शामिल है। इसके अलावा रोल्स रॉयस, जीई जैसी कई ब्रिटिश कंपनियां भी हैं, जो भारत में मेक इन इंडिया में शामिल होना चाहती हैं।

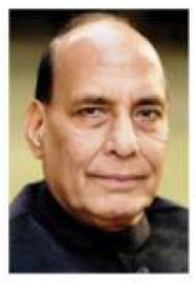

कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा इंडिया को ही नहीं जोड़ पा रही

-सीट बंटवारे से पहले यात्रा निकाले जाने को लेकर ज्यादातर नेता नाखुश

लखनऊ (एजेंसी)। राहुल गांधी की अगुवाई में कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा इंडिया गठबंधन को ही नहीं जोड़ पा रही है। दरसअल सीट बंटवारे से पहले यात्रा निकाले जाने को लेकर ज्यादातर नेता नाखुश हैं। यह यात्रा 14 जनवरी से शुरू होने वाली है। लेकिन ये यात्रा यूपी-बिहार में इंडिया गठबंधन को ही नहीं जोड़ पा रही है। एक ओर जहां यूपी में अखिलेश यादव सीट बंटवारे से पहले कांग्रेस द्वारा यात्रा निकाले जाने को लेकर नाखुश हैं तो वहीं बिहार में गठबंधन की मुख्य साझेदार मानी जाने वाली नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) भी इस पर आपत्ति जता रही है।

जेडीयू की राय है कि ये यात्रा गठबंधन की ओर से होनी चाहिए थी, न कि सिर्फ कांग्रेस को अकेले-अकेले यात्रा निकालनी चाहिए। अखिलेश यादव ने तो यहां तक कह दिया है कि यदि यूपी में राहुल गांधी की यात्रा पहुंचने से पहले सीटों का बंटवारा हो गया तो वह भी यात्रा में दिखाई देंगे लेकिन यदि सीटों का बंटवारा नहीं हुआ तो सपा इसके साथ खड़ी नहीं दिखाई देगी। अखिलेश ने बलिया में मीडिया से कहा कि यदि सीटों पर पहले फैसला हो जाता है तो सभी उम्मीदवार मजबूती से उनकी यात्रा में खड़े नज़र आएंगे।

उन्होंने कहा कि इसका मतलब अभी तो ये यात्रा कांग्रेस की है, और हमें उम्मीद है कि जितने भी विपक्ष के दल हैं, जो कांग्रेस के साथ गठबंधन करके लड़ना चाहते हैं, यात्रा से पहे उनके बीच सभी प्रदेशों की सीटों का बंटवारा हो जाएगा, जिससे लड़ाई और मजबूती से लड़ी जा सके। एक अन्य सवाल के जवाब में अखिलेश ने कहा कि यात्रा हो रही है, अच्छी बात है लेकिन सभी दल ये चाहते हैं कि यात्रा से पहले टिकट बंटवारा हो। सीट बंटवारा हो जाए और जब सीट बंटवारा हो जाएगा तो यात्रा में बहुत से लोग अपने आप सहयोग करने निकल पड़ेंगे। जो प्र?याशी चुनाव लड़ने वाला होगा पूरी जिम्मेदारी से वहां खड़ा दिखाई देगा।

वहीं अखिलेश यादव ने मायावती को इंडिया गठबंधन में शामिल किए जाने को लेकर बार-बार लगाई जाने वाली अटकलों पर कहा कि बात भरोसे की है। कौन भरोसा दिलाएगा। यदि वो आती हैं तो उनके शामिल रहने का भरोसा कौन दिलाएगा। उधर, बिहार के सीएम नीतीश कुमार और उनके साथी जेडीयू नेताओं ने भी आक्रामक रुख अख्तियार कर लिया है। पार्टी नेता केसी त्यागी ने कहा है कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा की योजना तैयार करने से पहले कांग्रेस को अपने सहयोगियों से परामर्श करना चाहिए था। उन्होंने ऐसा नहीं करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने कहा कि गठबंधन में सभी 28 विपक्षी दलों के वरिष्ठ नेताओं की भागीदारी के साथ भारत यात्रा की योजना बनाई जानी चाहिए थी। जानकारों का मानना है कि इंडिया गठबंधन की मुंबई बैठक के बाद अब सहयोगी दलों की बेचैनी और बढ़ रही है।

पूरे विश्व में पहुंचेगा जायका, अयोध्या की हनुमानगढ़ी के लड्डू को मिला जीआई टैग

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या की हनुमानगढ़ी के लड्डू अब विश्वभर में पहुंच सकेंगे। इसके लिए जीआई टैग लेने की तैयारी हो गई है। बता दें कि इन दिनों रामनगरी अयोध्या देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी चर्चा का केंद्र बनी हुई है। 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा होने वाली है, जिसे लेकर तैयारियां अंतिम दौर में जारी है। इसी बीच एक और बड़ी खबर अयोध्या की मिठाई विक्रेताओं के लिए बेहद खुशी देने वाली है। अयोध्या की हनुमानगढ़ में बनने वाले देसी घी के लड्डुओं को अब जीआई टैग मिलने वाला है। जीआई टैग मिलने के लिए संबंधित प्रक्रिया को पूरा कर लिया गया है। इसके बाद अयोध्या के इस जायके का स्वाद विश्व भर में प्रसिद्ध हो सकेगा। गौरतलब है कि किसी भी शहर में बनने वाले विशेष उत्पाद की पहचान को प्रमाणित करने के लिए जीआई टैग दिया जाता है जिसे ज्योग्राफिकल इंडक्शन कहा जाता है। जीआई टैग मिलने से किसी भी उत्पाद को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छी गुणवत्ता का उत्पादन माना जाता है।

गौरतलब है कि हनुमानगढ़ी के देसी घी के लड्डू को प्रसाद के तौर पर भगवान हनुमान को चढ़ाया जाता है। इन लड्डुओं को विश्व में पहचान दिलाने के लिए लंबे समय से कोशिश की जा रही थी। अब जीआई टैग हासिल करने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इसके बाद कुछ ही महीनों में जीआई टैग मिल जाएगा। जीआई टैग के लिए आवेदन को आठ जनवरी को स्वीकार किया गया है। वहीं जीआई टैग मिलने के बाद तिरुपति के मंदिर में मिलने वाले प्रसाद की तरह हनुमानगढ़ी के लड्डुओं के प्रसाद को भी जीआई रजिस्ट्रेशन मिलने जा रहा है। इसके बाद संभावना है कि सरकार लड्डुओं की गुणवत्ता, प्रचार-प्रसार और पैकेजिंग की ओर भी ध्यान दे सकेगी।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश से बिलकिस बानो हुई खुश, कहा- यही न्याय है

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के आदेश से बिलकिस बानो खुश हो गई हैं। उन्होने कहा कि यही न्याय है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने बिलकिस बानो बलात्कार मामले में 11 दोषियों को रिहा करने के गुजरात सरकार के आदेश को रद्द कर दिया। शीर्ष अदालत के आदेश के बाद, बिलकिस बानो ने एक बयान में कहा कि फैसले से ऐसा लगा जैसे पहाड़ के आकार का पत्थर उनके सीने से हटा दिया गया हो और वह फिर से सांस ले सकेंगी। उन्होंने कहा कि ऐसा ही न्याय महसूस होता है। आज सचमुच मेरे लिए नया साल है। मैंने राहत के आँसू रोये हैं। मैं डेढ़ साल से अधिक समय में पहली बार मुस्कुराई हूं। मैंने अपने बच्चों को गले लगा लिया है। ऐसा महसूस होता है जैसे पहाड़ के आकार का पत्थर मेरे सीने से उठ गया है, और मैं फिर से सांस ले सकती हूं। बानो ने अपने वकील द्वारा जारी एक बयान में कहा कि मुझे, मेरे बच्चों और हर जगह की महिलाओं को सभी के लिए समान न्याय के वादे में यह पुष्टि और आशा देने के लिए मैं भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय को धन्यवाद देती हूं। 2022 में 11 दोषियों को रिहा किए जाने पर उन्हें कैसा महसूस हुआ, इस बारे में बात करते हुए बानो ने कहा कि डेढ़ साल पहले 15 अगस्त, 2022 को, जब जिन लोगों ने मेरे परिवार को नष्ट कर दिया था और मेरे अस्तित्व को आतंकित किया था, उन्हें समय से पहले रिहा कर दिया गया था, मैं बस ढह गयी।

बिलकिस बानो ने कहा कि मुझे लगा कि मेरे साहस का भंडार ख़त्म हो गया है। जब तक लाखों एकजुटताएं मेरे रास्ते में नहीं आईं। भारत के हजारों आम लोग और महिलाएं आगे आईं। पूरी कानूनी लड़ाई के दौरान अपनी सहायता प्रणाली के बारे में बात करते हुए बिलकिस बानो ने कहा कि उनकी जैसी यात्राएं अकेले नहीं की जा सकतीं, उन्होंने कहा कि हर मोड़ पर उनके पति और बच्चे उनके साथ थे। अब लेकिन न्याय से काफी राहत है।

पंजाब के लोग जम्मू-कश्मीर में न बस जाएं, इस डर से लागू की थी धारा 370

-नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने किया खुलासा

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में आर्टिकल 370 लागू करने की वजह बताते हुए नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने जम्मू में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इसे 1947 में महाराजा हरि सिंह ने पेश और लागू किया था। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत के दौरान बताया कि आखिर धारा 370 को जम्मू कश्मीर में किस वजह से लागू किया गया है। उन्होने कहा कि अनुच्छेद 370 को इस चिंता के कारण लागू किया गया था कि विभाजन के बाद पंजाब से लोग जम्मू और कश्मीर में आ सकते हैं और वहां बस सकते हैं। जम्मू में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हम अनुच्छेद 370 नहीं लाए। इसे 1947 में महाराजा हरि सिंह ने पेश और लागू किया गया था। यह केवल इस डर से लगाया था कि पंजाब के लोग विभाजन के बाद यहां आकर बस जाएंगे और हमारे राज्य के गरीब लोग अपना सामान बेच देंगे। उन्होंने आगे कहा कि महाराजा हरि सिंह ने यहां के स्थानीय लोगों की सुरक्षा के लिए अनुच्छेद 370 लागू किया था।

बातचीत के दौरान कहा कि विभाजन के बाद महाराजा हरि सिंह ने जम्मू-कश्मीर के गरीब लोगों को बचाने के लिए इस धारा को लागू किया था। उन्होंने केवल जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के स्थानीय लोगों के लिए नौकरियां आरक्षित की थी, यहीं आर्टिकल 370 था। सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले दिसंबर 2023 में जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के आर्टिकल 370 को रद्द करने के केंद्र सरकार के फैसले को बरकरार रखा था। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, बीआर गवई और सूर्यकांत की पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने धारा 370 को निरस्त करने के सरकार के कदम को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर फैसला सुनाया। तब टॉप कोर्ट ने माना था कि धारा 370 एक अस्थायी प्रावधान था।

इसमें कहा गया कि किसी राज्य की ओर से केंद्र द्वारा लिए गए हर फैसले को कानूनी चुनौती नहीं दी जा सकती और इससे राज्य का प्रशासन ठप हो जाएगा। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 के तहत दिए गए जम्मू और कश्मीर के विशेष दर्जे को रद्द करने की घोषणा की थी और क्षेत्र को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव अगले साल सितंबर तक होने चाहिए।

अंजू को मिली शानदार जॉब, पाकिस्तान से नसरुल्ला को बुलाने की तैयारी

-भारत में दोनों के एक साथ रहने की योजना पर पति अरविंद ने फेर दिया पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत से पाकिस्तान जाकर फिर वापस भारत लौटी अंजू को दिल्ली में अच्छी जॉब मिल गई है। अब वह पाकिस्तान से नसरुल्ला को भी भारत बुलाकर दोनों एक साथ रहना चाहते हैं, लेकिन अंजू के पति अरविंद ने उसकी सारी तैयारी पर पानी फेर दिया है। उसने अंजू को तलाक देने से मना कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार अंजू ने भारत आने के बाद अब दिल्ली में नौकरी करना शुरू कर दिया है। यही नहीं अंजू का इरादा अब खुद की कंपनी खोलने का भी हो गया है। अंजू को दिल्ली की एक कंपनी ने नौकरी दी है और 8 घंटे तक वह रोज काम करने लगी है। वहीं अंजू ऊर्फ फातिमा का पाकिस्तानी पति नसरुल्ला भी भारत आने को बेकरार है लेकिन वीजा के मामले ने उसे उलझा दिया है। इस बीच अंजू और नसरुल्ला की शादी के बाद एक साथ रहने की योजना पर अरविंद ने पानी फेर दिया है। अरविंद ने साफ कह दिया है कि वह अंजू को तलाक नहीं देगा। हालांकि अरविंद भी अब अपने काम पर जाने लगा है और अंजू के तलाक के पेपर पर साइन नहीं कर रहा है। अंजू ने मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि वह अपने घर से ही नेटवर्किंग बिजनेस का भी काम कर रही है। इससे पहले अंजू एमवे कंपनी के लिए नेटवर्किंग का काम करती थी, तब उसकी नसरुल्ला से पहचान हुई थी।

इसके बाद दोनों के बीच प्यार हो गया और नसरुल्ला से मिलने के लिए अंजू पाकिस्तान चली गई थी। अंजू जब पाकिस्तान गई उसी समय पाकिस्तान से अवैध तरीके से सीमा हैदर भी अपने बच्चों के साथ भारत आई थी। इससे अंजू का मामला पाकिस्तान और भारत दोनों ही जगहों पर सुर्खियों में आ गया था। अंजू ने कहा कि उसके दोनों बच्चे अभी उसी के पास है लेकिन बाद में भिवाड़ी जाएंगी ताकि वे अपनी पढ़ाई पूर कर सकें। अंजू ने कहा कि वह जल्द ही अपना बिजनस शुरू करेगी। उसने यह भी बताया कि नसरुल्ला से शादी के पहले वह लोगों के पास जाती थी और उन्हें नेटवर्किंग बिजनस से जोड़ने का प्रयास करती थी। अब आलम यह है कि लोग खुद ही उससे जुड़ रहे हैं। इससे उसको काफी फायदा हो रहा है। अंजू ने यह भी बताया कि वह जल्द ही अपने बच्चों के स्कूल बदल देगी।

अंजू ने यह भी खुलासा किया कि नसरुल्ला ने भारत आने के लिए कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। नसरुल्ला से शादी के बाद इस्लाम धर्म अपनाकर फातिमा बनने वाली अंजू ने कहा कि पाकिस्तान में उसे दो घर मिले हैं। इसमें एक तो राजधानी इस्लामाबाद के पॉश इलाके में है। दूसरा प्लॉट है। एक घर अंजू तो दूसरा घर नसरुल्ला के नाम पर है। अंजू ने कहा कि उसकी गलत छवि बनाई गई, मैंने कोई गलती नहीं की थी। अंजू कहती है कि हर दिन कोई न कोई हिंदू लड़की मुस्लिम बनती है और मुस्लिम लड़कियां हिंदू धर्म अपनाती हैं। लेकिन केवल उसे ही गलत समझकर टारगेट किया गया।

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार वितरित

किसे कौन सा अवॉर्ड

खेल रत्न	
खिलाड़ी	**खेल**
सात्विक-चिराग	बैडमिंटन (डबल्स)
अर्जुन अवॉर्ड	
खिलाड़ी	**खेल**
मोहम्मद शमी	क्रिकेट
अजय रेड्डी	ब्लाइंड क्रिकेट
ओजस प्रवीण देवताले	तीरंदाजी
अदिति गोपीचंद स्वामी	तीरंदाजी
शीतल देवी	पैरा तीरंदाजी
पारुल चौधरी और मुरली श्रीशंकर	एथलेटिक्स
मोहम्मद हुसामुद्दीन	मुक्केबाजी
आर वैशाली	शतरंज
दिव्यकृति सिंह और अनूष अग्रवाल	घुड़सवारी
दीक्षा डागर	गोल्फ
कृष्ण बहादुर पाठक	हॉकी
सुशीला चानू	हॉकी
पिंकी	लॉन बॉल
ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर	शूटिंग
अंतिम पंघाल	कुश्ती
अहिका मुखर्जी	टेबल टेनिस
ईशा सिंह	शूटिंग
हरिंदर पाल सिंह संधू	स्क्वैश
सुनील कुमार	कुश्ती
नाओरेम रोशिबिना देवी	वुशु
प्राची यादव	पैरा कैनोइंग
पवन कुमार	कबड्डी
रितु नेगी	कबड्डी
नसरीन	खो-खो
लाइफ टाइम (ध्यानचंद पुरस्कार)	
खिलाड़ी	**खेल**
कविता	कबड्डी
मंजूषा कंवर	बैडमिंटन
विनीत कुमार शर्मा	हॉकी
द्रोणाचार्य अवॉर्ड	
कोच	**खेल**
गणेश प्रभाकरन	मलखंब
महावीर सैनी	पैरा एथलेटिक्स
ललित कुमार	रेसलिंग
आरबी रमेश	शतरंज
शिवेंद्र सिंह	हॉकी
लाइफ टाइम अवॉर्ड	
कोच	**खेल**
जसकीरत सिंह ग्रेवाल	गोल्फ
भास्करन ई	कबड्डी
जयन्त कुमार पुसीलाल	टेबल टेनिस

क्रिकेट में शमी को अर्जुन पुरस्कार, सात्विक और चिराग को खेल रत्न

नईदिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति भवन में मंगलवार 9 जनवरी को राष्ट्रीय खेल पुरस्कार दिए गए। इसमें 5 कोच को द्रोणाचार्य तो 26 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार दिया गया। 3 लोगों को लाइफ टाइम सम्मान से नवाजा गया सबसे पहले कोच को द्रोणाचार्य, फिर लाइफ टाइम और इसके बाद खिलाड़ियों को अर्जुन अवॉर्ड दिया गया। क्रिकेट वनडे वर्ल्ड कप में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले फास्ट बॉलर मोहम्मद शमी को अर्जुन पुरस्कार दिया गया। बैडमिंटन की स्टार जोड़ी सात्विक साईराज और चिराग शेट्टी को मेजर ध्यान चंद खेल रत्न पुरस्कार दिया गया। यह जोड़ी फिलहाल मलेशिया ओपन सुपर 1000 में खेल रही है, इसलिए सेरेमनी में शामिल नहीं हुई।

एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर

रुद्रांक्ष और मेहुली ने भारत के लिए जीता पांचवां स्वर्ण पदक

जकार्ता (एजेंसी)। रुद्रांक्ष पाटिल और मेहुली घोष की जोड़ी ने मंगलवार को यहां 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा जीतकर भारत को निशानेबाजी एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में पांचवां स्वर्ण पदक दिलाया। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में शेन युफान और झू मिंगशुआई की चीन की जोड़ी को 16-10 से हराया। रुद्रांक्ष और मेहुली की जोड़ी क्वालीफिकेशन में कुल 631.3 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही थी। युफान और मिंगशुआई ने 632.3 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था। रिदम सांगवान और अर्जुन सिंह चीमा की जोड़ी ने भी 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा के फाइनल में जगह बना ली है जहां उनका सामना थू विन्ह ट्रिनह और कुआंग हुइ फाम की वियतनाम की जोड़ी से होगा। रिदम और अर्जुन की जोड़ी क्वालीफिकेशन में 582 अंक के साथ शीर्ष पर रही थी। वियतनाम की जोड़ी ने 580 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया था। सोमवार को युवा निशानेबाजों वरूण तोमर और ईशा सिंह ने पुरुष और महिला 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतते हुए भारत के लिए दो ओलंपिक कोटा हासिल किए थे।

पाकिस्तान ने विदेशी कोचिंग स्टाफ को निकाला

● मोहम्मद रिजवान टी-20 के नए उप कप्तान बने ● 12 जनवरी से न्यूजीलैंड दौरा करेगी टीम

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने मोहम्मद रिजवान को टी-20 टीम का नया उप कप्तान बना दिया है। वह शादाब खान की जगह लेंगे। बोर्ड ने मेंस टीम के विदेशी कोचिंग स्टाफ को भी निकाल दिया। हेड कोच ग्रांट ब्रैडबर्न ने तो इंग्लिश काउंटी टीम ग्लैमॉर्गन को जॉइन भी कर लिया है।

नए कोचिंग स्टाफ को अपॉइंट नहीं किया गया, वहीं 12 जनवरी से टीम न्यूजीलैंड में 5 टी-20 की सीरीज खेलने वाली है। पाकिस्तान क्रिकेट टीम पिछले कुछ दिनों से खराब फॉर्म से जूझ रही है। टीम को ऑस्ट्रेलिया में 3-0 से टेस्ट सीरीज गंवानी पड़ी।

शादाब खान की जगह लेंगे रिजवान – मोहम्मद रिजवान पाकिस्तान के लिए टी-20 में ओपनिंग करते हैं। 2021 के टी-20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ उन्होंने मैच विनिंग फिफ्टी लगाई थी। रिजवान को टी-20 टीम का नया उप कप्तान बनाया गया है, वह लेग स्पिनर शादाब खान की जगह लेंगे।

वर्ल्ड कप के बाद से वैकेशन पर थे तीनों – पाकिस्तान टीम ने वनडे वर्ल्ड कप और एशिया कप में भी खराब प्रदर्शन किया था। टीम दोनों टूर्नामेंट के नॉकआउट स्टेज तक भी नहीं पहुंच सकी थी। भारत में वर्ल्ड कप खत्म होने के बाद से तीनों ने छुट्टियां ले

लीं। ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज के दौरान भी मोहम्मद हफीज ने टीम डायरेक्टर की भूमिका निभाई थी। दौरे पर सईद अजमल, उमर गुल, अब्दुल माजिद और एडम होलिओके कोचिंग स्टाफ के अन्य मेंबर्स थे। न्यूजीलैंड दौरे पर भी ये ही कोचिंग की जिम्मेदारी निभाएंगे।

वर्ल्ड कप के बाद हुए बड़े बदलाव

पाकिस्तान ने वनडे वर्ल्ड कप के बाद सिलेक्शन कमेटी और कोचिंग स्टफ में बड़े बदलाव किए। टीम वर्ल्ड कप में 5वें नंबर पर रहकर सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी थी। इसके बाद बोर्ड ने पूर्व पेसर वहाब रियाज को सिलेक्शन कमेटी का चीफ बना दिया। इतना ही नहीं, बाबर आजम ने तीनों फॉर्मेट से टीम की कप्तानी छोड़ दी। जिसके बाद शाहीन अफरीदी को नया टी-20 कप्तान और शान मसूद को नया टेस्ट कप्तान बना दिया गया।

तीनों विदेशी कोच नई टीम से जुड़ गए – पीसीबी ने बताया, बोर्ड तीनों विदेशी कोच को नेशनल क्रिकेट एकेडमी में अपॉइंट करना चाह रहे थे। लेकिन बोर्ड ने मीटिंग में डिसाइड किया कि तीनों कोच को नया कॉन्ट्रैक्ट मिल गया है। इसलिए उन्हें रिलीज करना ही बेहतर ऑप्शन है। टीम डायरेक्टर मिकी ऑर्थर पहले से डर्बीशायर टीम के साथ जुड़े थे। वह पाकिस्तान के लिए पार्ट टाइम काम कर रहे थे। हेड कोच ब्रैडबर्न ने इंग्लिश काउंटी टीम ग्लैमॉर्गन के साथ 3 साल कॉन्ट्रैक्ट साइन कर लिया है। वहीं पटिक भी किसी टीम के साथ जुड़ चुके हैं।

श्रीलंका ने 2 विकेट से जीता रोमांचक वनडे

जिम्बाब्वे को हराकर सीरीज में 1-0 से आगे हुए, जनिथ लियानागे शतक से चूके

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका ने रोमांचक वनडे में जिम्बाब्वे को 2 विकेट से हरा दिया। 53 रन पर 4 विकेट गंवाने के बाद टीम ने 172 रन पर 8 विकेट गंवा दिए थे। टीम को 37 रन की जरूरत थी। यहां 9वें विकेट के लिए टैलेंडर्स ने 39 रन की नॉटआउट पार्टनरशिप की और श्रीलंका को जीत दिला दी।श्रीलंका के लिए दूसरा ही मैच खेल रहे जनिथ लियानागे प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने 127 बॉल पर 95 रन बनाए। दूसरे वनडे में जीत के साथ श्रीलंका ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। पहला वनडे बेनतीजा रहा था, जबकि तीसरा वनडे 11 जनवरी को कोलंबो में ही खेला जाएगा।

जिम्बाब्वे की शुरुआत खराब, पहले ओवर में गंवाया विकेट – कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में सोमवार को जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी। टीम की शुरुआत खराब रही, उन्होंने पहले ही ओवर में तिनाशे कामुन्हुकाम्वे का विकेट गंवा दिया। यहां से जॉयलॉर्ड गुम्बी ने कप्तान क्रैग इरविन के साथ 61 रन की पार्टनरशिप की। विकेटकीपर गुम्बी 30 रन बनाकर आउट हुए और दोनों के बीच पार्टनरशिप टूटी।

इरविन ने जिम्बाब्वे को 200 के करीब पहुंचाया – दूसरा विकेट गिरने के बाद कप्तान इरविन ने चौथे विकेट के लिए मिल्टन शुम्बा के साथ 53 रन की पार्टनरशिप की। शुम्बा 26 रन बनाकर आउट हुए। उनके बाद सिकंदर रजा भी एक ही रन बनाकर पवेलियन लौट गए।इरविन ने फिर अपनी फिफ्टी पूरी की और रायन बर्ल के साथ 67 रन की पार्टनरशिप की। इरविन 82 रन बनाकर आउट हुए लेकिन टीम को 200 रन के करीब पहुंचा दिया। उनके विकेट के वक्त टीम का स्कोर 182/5 था।

- **टैलेंडर्स सस्ते में आउट, तीक्षणा को 4 विकेट** – इरविन के बाद बर्ल भी 31 रन बनाकर आउट हो गए। एक समय 182/4 के स्कोर से टीम ने 26 रन बनाने में ही अगले 6 विकेट गंवा दिए। क्लाइव मडान्डे के अलावा 4 टैलेंडर्स 5 रन से ज्यादा का स्कोर नहीं बना सके। टीम 44.4 ओवर में 208 रन बनाकर ऑलआउट हुई। श्रीलंका से स्पिनर महीश तीक्षणा ने 4 विकेट झटके। जेफरी वांडरसे और दुष्मंथा चमीरा को 2-2 सफलताएं मिलीं। दिलशान मदुशंका ने एक विकेट लिया, जबकि एक बैटर रन आउट भी हुआ।
- **श्रीलंका की भी शुरुआत खराब, 53 पर 4 विकेट गंवाए** – 209 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत भी खराब रही। टीम ने पहले ओवर में अविष्का फर्नांडो और तीसरे ओवर में सदीरा समरविक्रमा का विकेट गंवा दिया। दोनों 4-4 रन ही बना सके। कप्तान कुसल मेंडिस ने कुछ देर बैटिंग की लेकिन 17 रन बनाकर वह भी आउट हो गए। पहले वनडे के शतकवीर चरिथ असलंका तो खाता भी नहीं खोल सके और टीम ने 53 रन के स्कोर पर 4 विकेट गंवा दिए। चारों विकेट लेफ्ट आर्म पेसर रिचर्ड नगारवा ने लिए। उन्होंने पारी में आगे महीश तीक्षणा को भी चलता किया।

श्रीलंका ने 112 पर 6 विकेट गंवाए

पहले वनडे में श्रीलंका से डेब्यू करने वाले जनिथ लियानागे नंबर-4 पर बैटिंग करने उतरे। उन्होंने एक एंड संभाला और सहन अरचचिगे के साथ 37 रन की पार्टनरशिप कर ली। अरचचिगे 21 रन बनाकर आउट हुए। उनके बाद पूर्व कप्तान दसुन शनाका भी 7 ही रन बनाकर पवेलियन लौट गए। दोनों विकेट स्पिनर सिंकदर रजा ने लिए।

लियानागे की फिफ्टी, टीम को 150 के पार पहुंचाया

6 विकेट जल्दी गिरने के बाद लियानागे ने अपनी फिफ्टी पूरी कर ली। उन्होंने टीम को 150 रन के पार पहुंचाया और महीश तीक्षणा के साथ 56 रन की पार्टनरशिप की। तीक्षणा 18 रन बनाकर आउट हुए। उनके बाद लियानागे भी 95 रन बनाकर ब्लेसिंग मुजरबानी का शिकार हो गए। लियानागे अपनी सेंचुरी पूरी नहीं कर सके और टीम को जीत दिलाने से पहली ही आउट भी हो गए।

टैलेंडर्स ने जीत के पार पहुंचाया

श्रीलंका ने 42.3 ओवर में 172 रन के स्कोर पर 8 विकेट गंवा दिए। यहां से टीम को 45 बॉल पर 37 रन की जरूरत थी। टैलेंडर्स दुष्मंथा चमीरा और जेफरी वांडरसे टिक गए। दोनों ने 40 बॉल पर 39 रन की नॉटआउट पार्टनरशिप की और टीम को 49 ओवर में 2 विकेट से रोमांचक जीत दिला दी। जिम्बाब्वे से रिचर्ड नगारवा ने 5 विकेट लिए। सिकंदर रजा को 2 सफलताएं मिलीं, जबकि एक विकेट ब्लेसिंग मुजरबानी ने झटका।

तीसरा वनडे 11 जनवरी को

दूसरे वनडे में जीत के साथ श्रीलंका ने 3 वनडे की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। तीसरा और आखिरी वनडे 11 जनवरी को कोलंबो में ही खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच पहला वनडे बारिश के कारण बेनतीजा रहा था। तब श्रीलंका ने 50 ओवर बैटिंग की लेकिन जिम्बाब्वे 4 ओवर ही बैटिंग कर सका।

पुडुचेरी से हारने के बाद गई यश धुल की कप्तानी

हिम्मत सिंह दिल्ली के नए कप्तान, होमग्राउंड पर 9 विकेट से गंवाया रणजी मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। रणजी ट्रॉफी के शुरुआती मुकाबले में पुडुचेरी के खिलाफ टीम को भारी हार का सामना करने के कुछ घंटों बाद यश धुल को दिल्ली के कप्तान के पद से हटा दिया गया। उनकी जगह हिम्मत सिंह को टीम की कमान सौंपी गई है। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के संयुक्त सचिव राजन मनचंदा ने कहा, 'यश प्रतिभाशाली खिलाड़ी है, लेकिन अभी फॉर्म में नहीं है। हम चाहते हैं कि वे एक बल्लेबाज के तौर पर अच्छा प्रदर्शन करे और इसलिए हमने उसे कप्तानी के भार से मुक्त किया। हिम्मत हमारा सीनियर खिलाड़ी है और उसने टीम की तरफ से अच्छा प्रदर्शन किया है। वह टीम का कप्तान होगा।' अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली की टीम अपने पहले ही मुकाबले में पुडुचेरी से 9 विकेट से हार गई। इस हार से नाराज (दिल्ली क्रिकेट एसोसिएशन) ने कप्तान को ही हटा दिया। धुल पिछले हफ्ते टीम के कप्तान चुने गए थे। उन्होंने पिछले सीजन में भी दिल्ली की कप्तानी की थी।

मैच का हाल- खराब रही दिल्ली की बल्लेबाजी, एक भी फिफ्टी नहीं -

- इस 4 दिनी मुकाबले में पुडुचेरी ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली की टीम पहली पारी में 148 रन पर ऑलआउट हो गई। फिर पुडुचेरी ने 244 रन बनाते हुए पहली पारी में 96 रनों की बढ़त ली।
- पहली पारी में बिखरने वाली दिल्ली की बैटिंग दूसरी पारी में भी निराशाजनक रही। दूसरी पारी में टीम 145 रन पर ऑलआउट हो गई। ऐसे में पुडुचेरी को जीत के लिए 49 रन का टारगेट मिला। जिसे पुडुचेरी ने एक विकेट पर हासिल कर लिया।
- दिल्ली की ओर से इस मुकाबले में एक भी अर्धशतक नहीं आया, जबकि कप्तान यश धुल दोनों पारी मिला कर महज 25 रन ही बना सके। उन्होंने पहली पारी में 2 और दूसरी पारी में 23 रन स्कोर किए।

इंग्लैंड के पूर्व टेस्ट बल्लेबाज मार्क बुचर का बयान

डब्ल्यूटीसी ने टेस्ट क्रिकेट का नुकसान ही किया

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व टेस्ट बल्लेबाज मार्क बुचर को लगता है कि आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) ने सबसे लंबे प्रारूप को फायदे की बजाय नुकसान ज्यादा पहुंचाया है। दक्षिण अफ्रीका ने हाल ही में न्यूजीलैंड में टेस्ट श्रृंखला के लिए एक कमजोर टीम की घोषणा की है क्योंकि उसके शीर्ष क्रिकेटरों ने 'एसए20' (घरेलू फ्रेंचाइजी टी20 लीग) के दूसरे सत्र में खेलने के लिए अनुबंध किया है और इन दोनों प्रतियोगिताओं की तारीखें टकरा रही हैं। बुचर ने विजडन क्रिकेट के साप्ताहिक पॉडकास्ट पर कहा, 'उन चीजों में से एक जिसने इसे और भी अपरिहार्य बना दिया है, उसे उन्होंने टेस्ट मैच क्रिकेट बचाने के प्रयास के तहत शुरू किया है और वह है विश्व टेस्ट चैंपियनशिप। उन्होंने कहा, 'मुद्दा यह है कि आपकी द्विपक्षीय श्रृंखला को प्रशंसकों और उसमें खेल रहे दो देशों के खिलाड़ियों की कल्पना पर हावी होना होगा और फिर व्यापक क्रिकेट देखने वाले लोगों की।

फाफ डु प्लेसिस ने किया धोनी का गुणगान, बोले- उनके अंडर खेला, भाग्यशाली था

नईदिल्ली (एजेंसी)। जोबर्ग सुपर किंग्स के कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स के साथ अपने कार्यकाल के दौरान एक क्रिकेटर के रूप में सीखे गए सबक को याद करते हुए कहा कि वह बहुत भाग्यशाली थे कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत में एमएस धोनी की कप्तानी में खेला। ₹20 के दूसरे सीजन से पहले फाफ डु प्लेसिस ने कहा कि उन्होंने सीएसके में पहला सीजन धोनी और मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग को देखते हुए बिताया और सवाल पूछने और उनसे सीखने के मौके का पूरा उपयोग किया।

फाफ डु प्लेसिस 2011 से 2021 तक चेन्नई सुपर किंग्स के साथ रहे। डु प्लेसिस का योगदान केवल उनके बल्लेबाजी आंकड़ों तक सीमित नहीं था; उन्होंने सीएसके की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 2021 आईपीएल फाइनल में उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 59 गेंदों पर 86 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली थी। इसी कारण चेन्नई ने अपना चौथा खिताब जीता था। कई अनुभवी खिलाड़ियों वाली टीम का हिस्सा होने के बावजूद डु प्लेसिस ने अपनी अलग पहचान बनाई। चेन्नई के साथ करीब एक दशक तक उन्होंने बल्ले से महत्वपूर्ण योगदान दिया।

2022 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के कप्तान के रूप में विराट कोहली की जगह लेने से पहले फाफ डु प्लेसिस सभी प्रारूपों में दक्षिण अफ्रीका के लिए कप्तानी कर चुके थे। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका की टी 20 लीग में सुपर किंग्स फ्रेंचाइजी के साथ जुड़ गए। नए साल में नए एडिशन के लिए तैयार डु प्लेसिस ने कहा कि सबसे पहले, एक युवा व्यक्ति के रूप में उस ड्रेसिंग रूम का हिस्सा बनना बहुत अच्छा था। शायद मेरी सबसे बड़ी सीख मेरी शुरुआती यात्रा की शुरुआत में स्टीफन फ्लेमिंग और एमएस धोनी के नेतृत्व में भाग्यशाली होना था। उनसे सीखना बहुत अच्छा था। मेरे पहले सीजन के दौरान, मैं बस बैठा था और सवाल पूछ रहा था और उन्हें देख रहा था।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ने यह भी कहा कि उन्होंने एमएस धोनी को देखकर सीखा कि किसी की कापी करना संभव नहीं होता। एमएस कैप्टन कूल हैं, जैसा कि लोग उन्हें कहते हैं। वह हमेशा दबाव में बहुत शांत रहते हैं। इसलिए यह हमेशा महत्वपूर्ण है कि दबाव में आप तनावमुक्त रहें। इससे गेंदबाजी आक्रमण पर बड़ा फर्क पड़ता है। मैं विशेष रूप से बहुत भाग्यशाली हूं कि उनके नेतृत्व में खेला।

टी20 विश्व कप टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली का होना जरूरी : क्रिस श्रीकांत

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप के लिए पूर्व भारतीय क्रिकेटर क्रिस श्रीकांत ने रोहित शर्मा और विराट कोहली की भागीदारी को अहम बताया है। रोहित और विराट 2022 टी20 विश्व कप सेमीफाइनल के बाद कोई टी20 मुकाबला नहीं खेले हैं। लेकिन फिर भी उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए चुना गया है। हार्दिक पांड्या की अनुपस्थिति में रोहित एक बार फिर से कप्तानी करते नजर आएंगे। वह टी20 विश्व कप तब पहुंचेंगे या नहीं इसका पता अफगानिस्तान के साथ टी20 सीरीज और आईपीएल में उनके प्रदर्शन को देखकर बीसीसीआई ले सकती है।

इसी बीच श्रीकांत ने वनडे विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद वापसी करने की इच्छा जताते हुए रोहित शर्मा की वापसी पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि उक्त टीम में विराट कोहली निश्चित हैं। वह शानदार फॉर्म में हैं। रोहित शर्मा, शायद, विश्व कप में उन्होंने जिस तरह से रन बनाए हैं, उसके कारण आश्वस्त हैं। अगर रोहित शर्मा कहते हैं कि मैं उपलब्ध हूं, तो आप यह नहीं कह सकते कि आप उन्हें बाहर कर देंगे। दिन के अंत में, रोहित शर्मा भी इस बात से आहत हैं कि वह एक विश्व कप हार गए हैं। वह कम से कम एक विश्व कप अपने हाथ में लेकर बाहर जाना चाहेंगे। वह 2007 विश्व कप में वहां थे।

सफलता के लिए भावों को काबू में रखने की कला आना जरूरी है, खासतौर पर कार्यस्थल पर बहुत अधिक भावुकता करियर पर नकारात्मक असर डालती है। नियमित रूप से छोटी-छोटी बातों पर आंसू बहाना, गुस्सा होना, झुंझलाहट या शिकायत करना ऑफिस में व्यक्ति की साख पर सवाल खड़े कर देता है।

वर्कप्लेस इमोशंस का बोझ दिमाग पर

राहुल ऑफिस जाने के विचार से ही परेशान हो जाता है। उसका वहां जाने का बिल्कुल मन नहीं करता। अक्सर वह 'वर्क फ्रॉम होम' के विकल्प को चुनने की कोशिश करता है। उसे लगता है कि घर में वह अपना काम ऑफिस की तुलना में अधिक बेहतर कर पाता है। दूसरी तरफ ऑफिस के माहौल में उसे हर समय एक अजीब किस्म की चिंता, तनाव और असहजता महसूस होती है। उसे लगता है कि ऑफिस में सभी का व्यवहार अजीब है। उसका बॉस सिर्फ उस पर अव्यावहारिक काम का बोझ लादना और मीटिंग में चिल्लाना जानता है और उसके साथ के सहकर्मी आपसी गॉसिपिंग और चुगली करने में ही लगे रहते हैं। सब स्वार्थी हैं, कोई किसी की मदद नहीं करता। इन्हीं सब कारणों से कई बार राहुल कंपनी बदलने की भी सोचता है। लेकिन उसे एक ओर मंदी की वजह से अवसरों की कमी नजर आती है तो दूसरी तरफ बाकी ऑफिसों की स्थिति भी कुछ अलग दिखाई नहीं देती। ऐसे में वह यह सोचने पर मजबूर हो जाता है कि कहीं ऐसा न हो कि उसकी स्थिति आसमान से गिरे और खजूर में अटके वाली हो जाए। आज ऑफिसों में बड़ी संख्या में अधिकारी से लेकर कर्मचारी वर्ग इस मनोदशा से गुजरता हुआ दिखायी देता है। अधिकतर की बातें ऑफिस के खराब माहौल, ऑफिस की राजनीति और कर्मियों के बीच तनातनी के बारे में हो रही होती हैं। जहां पहले ऑफिस कर्मचारियों को एक परिवार की तरह देखा जाता था, वहीं आज ऑफिस कर्मियों के बीच आपस के सुख-दुख की बातें शेयर होना कम हो गया है। बाहरी तौर पर देखने में ये बातें बिजनेस परिवेश का हिस्सा नजर आती हैं, पर हकीकत में इन सब समस्याओं की जड़ हमारे खुद की भावात्मक कमजोरी में छुपी होती है। पिछले 30 से 40 सालों में कार्यस्थल पर भावों की भूमिकाओं को लेकर बहुत शोध हुए हैं, जिसमें यह पाया गया है कि पहले जहां एग्जीक्यूटिव्स का इंटेलिजेंस क्रोशंट और तकनीकी जानकारी उनकी सफलता की कुंजी माने जाते थे, वहीं आज इनके सबके साथ इमोशनल इंटेलिजेंस का होना भी जरूरी हो गया है।

क्या है इमोशनल इंटेलिजेंस (ईआई)

इमोशनल इंटेलिजेंस को आसान शब्दों में कहें तो यह सामाजिक परिपेक्ष्य में भावों की जानकारी और उसके अनुसार भावों को साधने की कला है। इस इमोशनल इंटेलिजेंस को जब प्रोफेशनल वर्कप्लेस से जोड़ कर देखा जाता है तो परिपेक्ष्य सामाजिक के साथ प्रोफेशनल भी बन जाता है। इसी बदलाव के कारण कार्यस्थल पर भावों को काबू रखना थोड़ा अलग और शायद मुश्किल हो जाता है। जब इमोशंस के साथ महत्वाकांक्षाएं जुड़ जाती हैं तो अहसास शुद्ध न होकर दिशात्मक हो जाते हैं। हमारी उम्मीदों का स्वरूप बदल जाता है। जहां निजी संबंधों में भावों की अभिव्यक्ति बहुत धीमी और विनम्र हो जाती है, वहीं कार्यस्थल के परिवेश में भावों का विस्फोट त्वरित और तीखा हो जाता है। भावों के बारे में यह समझ और जानकारी हमें कार्यस्थल पर अपने और दूसरे लोगों के व्यवहार को समझने में मदद करती है। अगर हम इस परिपेक्ष्य के बदलाव और अभिव्यक्ति के तरीके में फर्क को समझ लें तो हमें कार्यस्थल पर लोगों के व्यवहार से जुड़ी बहुत सी समस्याओं का हल मिल जाता है। कैसे विकसित होती है इमोशनल इंटेलिजेंस -

प्रभावी ढंग से सुनें

आमतौर पर हम अपने नजरिए से बातों को सुनते हैं। इसे ऑटोबायोग्राफिकल लिस्निंग कहते हैं। प्रभावी ढंग से सुनने का आशय है कि हम पहले यह समझें कि दूसरा व्यक्ति किस स्थिति व परिस्थिति में बोल रहा है, उसका आशय क्या है, तुरंत सहमत या असहमत होने के निर्णय पर पहुंचने की जरूरत नहीं है। हमेशा हर शब्द के पीछे के अर्थ को खोजने की जरूरत नहीं होती।

समानुभूति रखें

इसके लिए गैर-निर्णायक सोच विकसित करें। सोच पर अनुशासन न होने का सबसे अनुत्पादक परिणाम यह होता है कि हम तुरंत फैसला सुना देते हैं। दूसरों को समझने के लिए सुनना बंद कर देते हैं। हमारे विचार इसी दिशा में चलने लगते हैं कि हम इस मुद्दे पर क्या सोचते हैं। समानुभूति विकसित करके, हम उन्हें यह बता पाते हैं कि हम उनके नजरिए को भी समझ रहे हैं। ध्यान रखें, यहां बात सहमति या असहमति की नहीं, बस दूसरों को समझने की है।

खुद को अपडेट करना

हमें कार्यस्थल की संस्कृति, मूल्यों और कार्यस्थल के शिष्टाचार के बारे में भी जानकारी विकसित करनी चाहिए। हर संगठन अपने आप में अलग होता है और उसकी अपनी एक संस्कृति, मूल्य, लक्ष्य व उद्देश्य होते हैं, जिसका प्रभाव उस संगठन के कर्मियों पर पड़ता है। बहुत बार हमें कुछ व्यवहार इसलिए बुरे लगते हैं, क्योंकि हमें लगता है कि ऐसा मेरे साथ ही क्यों हो रहा है। पर यदि पता चले कि वह व्यवहार उस संगठन की संस्कृति और गतिविधियों का हिस्सा है तो आपके अंदर नकारात्मक भाव पैदा होने से रुक जाते हैं।

अचानक भावों पर काबू न रहना..

कई बार आईई होने के बावजूद भी भावों पर काबू नहीं रह पाता। नतीजा, या तो व्यक्ति दूसरे पर चिल्लाने लगता है या खुद को असहाय महसूस करने लगता है। दूसरों पर शक और खुद पर अविश्वास करने लगता है। ऐसा होने पर क्या करें-

विराम - भावावेश को रोकने का सबसे अच्छा तरीका है कि प्रतिक्रिया पर विराम लगा दें। छोटा-सा विराम मस्तिष्क को भावों पर नियंत्रण रखने में मदद करेगा और आप प्रतिक्रिया की जगह बातों का जवाब देंगे।

चुप्पी - चुप्पी संभावित विस्फोट की स्थिति को टालने का सबसे सुनहरा अवसर है। गैर मौखिक तरीका अपनाएं। आपकी शारीरिक मुद्रा दूसरे व्यक्ति के भावावेश को काबू में रखेगी।

स्वीकारना - अपने भावों को समझों और उन्हें स्वीकार करें। जितना अधिक आप नकारात्मक विचारों की उपस्थिति को नकारेंगे, उतना ही विचारों का दबाव बढ़ता जाएगा। अपने भावों को स्वीकारना या कबूलना शॉक अब्जॉर्बर का काम करता है।

नजरअंदाज करना - यदि संभव हो तो उस स्थिति को नजरअंदाज कर दें। दूसरे व्यक्ति को कहें कि आपको इस मुद्दे पर बात करने के लिए और समय चाहिए।

शांत होना - शांत होना और ध्यान करना सीखें। ध्यान करने वाले लोगों का भावों पर अधिक नियंत्रण देखने को मिलता है।

जरूरत पड़ने पर अभिव्यक्त करें - उपरोक्त सभी तकनीक असफल होने पर, अपने विचारों को संयमित तरीके से अभिव्यक्त करें। यदि व्यक्ति नजदीकी है तो अपने इस व्यवहार से आप उसे परिचित करा सकते हैं। इससे आपको बिना किसी नुकसान के अपने विचारों को अभिव्यक्त करने में मदद मिलेगी।

लोकप्रिय हुआ योग बढ़ी कॅरियर की संभावना

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में दूसरे से आगे निकल जाने की होड़ ने इसका महत्व और बढ़ा दिया है। आजकल न सिर्फ मानसिक शांति, तनाव से छुटकारे के लिए बल्कि बड़ी-बड़ी बीमारियों का इलाज योग-ध्यान से किया जा रहा है। इसलिए दुनिया भर में इसके प्रति लोगों की रुचि में भारी इजाफा हुआ है। देश और दुनिया के तमाम राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में योग पर शोध किए जा रहे हैं। इससे साथ ही योग शिक्षकों की मांग बढ़ी है जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के नए द्वार खुले हैं।

योग भारत की ऐसी प्राचीन विद्या है जो धर्म, स्वास्थ्य और जीवन से जुड़ी है। आज की तेज रफ्तार जिंदगी में दूसरे से आगे निकल जाने की होड़ ने इसका महत्व और बढ़ा दिया है। आजकल न सिर्फ मानसिक शांति, तनाव से छुटकारे के लिए बल्कि बड़ी-बड़ी बीमारियों का इलाज योग-ध्यान से किया जा रहा है। इसलिए दुनिया भर में इसके प्रति लोगों की रुचि में भारी इजाफा हुआ है। देश और दुनिया के तमाम राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में योग पर शोध किए जा रहे हैं। इससे साथ ही योग शिक्षकों की मांग बढ़ी है जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के नए द्वार खुले हैं।

योग अभ्यास के जरिए सीखा जा सकता है। लेकिन प्रशिक्षित योग शिक्षक बनने के लिए विधिवत प्रशिक्षण की जरूरत होती है। इसके लिए अभ्यर्थी को कम से कम दसवीं और बारहवीं उर्त्तीण होना जरूरी है। लेकिन इन्हें योग प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम में ही दाखिला मिलता है। योग में डिप्लोमा, बीएड, एमएड और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम करने के लिए स्नातक होना जरूरी है।

योग में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम की अवधि चार महीने से लेकर एक वर्ष तक की होती है। दसवीं और बाहरवीं के बाद ही इसमें प्रशिक्षण लेने की चाहत रखने वाले अभ्यर्थी इन विश्वविद्यालयों में दाखिला ले सकते हैं। जिनमें गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वारणासी, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, कर्नाटक विश्वविद्यालय छाखाड़, अमरावती विश्वविद्यालय महाराष्ट्र हैं।

जबकि डिम्लोमा और स्नातकोत्तर डिप्लोमा में दाखिला लेने वाले की चाहत रखने वाले अभ्यर्थी देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय तिरूपति, अमरावती विश्वविद्यालय महाराष्ट्र, बीएचयू वाराणसी, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर, मध्य प्रदेश, लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ, बिहार योग भारती मुंगेर, जादवपुर विश्वविद्यालय कोलकाता और पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ हैं।

संस्थान

- अंतरराष्ट्रीय क्रियायोग विज्ञान अनुसंधान संस्थान, नई झंसी, इलाहाबाद।
- योग रिसर्च एण्ड फाउंडेशन कैवल्यधाम, लोनावाला पुणे।
- दि डिवाइन लाइफ सोसाइटी शिवानंदनगर, टिहरी गढ़वाल।
- प्राकृतिक चिकित्सा योग केन्द्र सेक्टर-14 करनाल।
- महर्षि दयानंद प्राकृतिक योग प्रतिष्ठान वैदिक आश्रम रामधार रोड़, अलीगढ़।
- देव अंतरराष्ट्रीय योग केंद्र मोझील, कानपुर।

दूसरों की नकल कर न चुनें अपना करिअर

इष्ट-मित्रों या परिचित-रिश्तेदारों के अच्छे वेतन या आमदनी-रुतबे को देख उनके ही कार्य या व्यवसाय को अपना लेना हमेशा सही नहीं हो सकता। अपनी योग्यता, क्षमता, रुचि, लक्ष्य, उपलब्ध साधनों आदि की अनदेखी करना ठीक नहीं। इसके अलावा आज जरूरत इस बात की भी है कि अपने भविष्य को ध्यान में रखते हुए एकाधिक विकल्पों को भी अपनी सूची में शामिल रखा जाए। अपनी रुचि और उससे सम्बन्धित व्यवसाय या कार्य के बारे में अपने माता-पिता या अन्य किसी जानकार और अनुभवी व्यक्ति से बातचीत या परामर्श अवश्य करना चाहिए।

निरन्तर बढ़ती जनसंख्या, रोजगार के घटते अवसर, कड़ी प्रतियोगिता आदि के कारण सामान्य ही नहीं योग्य व्यक्ति के हाथ भी असफलता ही आती है। सफलता पाना आसान नहीं रह गया है। कई बार युवाओं को लगता है कि उन्होंने गलत क्षेत्र चुन लिया है। प्रायः इससे कुंठा और परेशानी ही बढ़ती है। अभिभावक अपने ढंग से बच्चों के भविष्य के बारे में सोचते हैं, योजनाएं बुनते हैं। उसी के अनुसार वे पढ़ाई या प्रशिक्षण आदि की व्यवस्था करते हैं। इस मामले में अक्सर उनकी उम्मीदें बहुत ज्यादा होती हैं। इष्ट-मित्रों या परिचित-रिश्तेदारों के अच्छे वेतन या आमदनी-रुतबे को देख उनके ही कार्य या व्यवसाय को अपना लेना हमेशा सही नहीं हो सकता। अपनी योग्यता, क्षमता, रुचि, लक्ष्य, उपलब्ध साधनों आदि की अनदेखी करना ठीक नहीं। इसके अलावा आज जरूरत इस बात की भी है कि अपने भविष्य को ध्यान में रखते हुए एकाधिक विकल्पों को भी अपनी सूची में शामिल रखा जाए। अपनी रुचि और उससे सम्बन्धित व्यवसाय या कार्य के बारे में अपने माता-पिता या अन्य किसी जानकार और अनुभवी व्यक्ति से बातचीत या परामर्श अवश्य करना चाहिए।

सोच समझकर निर्णय लेना बहुत अच्छी बात है पर इसमें आवश्यकता से अधिक समय नहीं लगाना चाहिए। न्यूनतम समय में सही और उचित निर्णय लेना ही लाभप्रद होता है। अपनी रुचि के अनुरूप अपने भविष्य के बारे में निर्णय लेते समय सम्बन्धित कार्य, प्रशिक्षण, व्यवसाय आदि के बारे में पर्याप्त जानकारी और सही आकलन करने का यथेष्ट प्रयास करना चाहिए। यह ध्यान रखना चाहिए कि हर क्षेत्र में प्रवेश करने और उसमें सफल होने के लिए अपेक्षित योग्यता के साथ-साथ उचित जानकारी, प्रशिक्षण, धैर्य, सहनशीलता, परिश्रम, संघर्ष आदि की आवश्यकता भी पड़ती है।

यह सभी जानते हैं कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। संयोग से भले ही किसी व्यक्ति को एकाध बार सफलता मिल जाए पर हर बार ऐसा होना सम्भव नहीं है। आज कम से कम समय में अधिक धन या सफलता पा लेना हर युवा का सपना बन गया है। अति उत्साह में कुद युवा अनुचित कदम उठा लेते हैं जो अन्ततः दुःखदायी सिद्ध होता है। कुछ युवाओं को विरासत में ही बिना मांगे बहुत कुछ मिल जाता है पर ऐसा सभी के लिए हो पाना सम्भव नहीं है। सही मायने में जो हासिल करना हो उसके लिए सही कोशिश करनी ही पड़ती है। अनिश्चय और अनिर्णय की स्थिति अधिक समय तक बनाए रखना ठीक नहीं होता। साथ ही निर्णय लेने के मामले में औरों पर आवश्यकता से अधिक कभी निर्भर नहीं रहना चाहिए। अनेक लोग राय लेने के मामले में काफी उदार होते हैं। वे हर व्यक्ति से राय लेते रहते हैं। नतीजा कुछ नहीं निकलता। धीरे-धीरे उनका आत्मविश्वास कहीं गुम हो जाता है और वे कहीं के नहीं रहते। अंततः उन्हें समझौते की राह पकड़नी पड़ती है, यानी जो हाथ लग जाए उसी में सन्तोष करना पड़ता है। कभी-कभी हताशा में वे गलत कदम भी उठा बैठते हैं। कभी-कभी नशे की शरण में चले जाते हैं जो उचित नहीं। प्रयास करने पर भी सफलता न मिले तो भी निराश ओर कुंठित होने से बचना चाहिए। जीवन इतना छोटा नहीं है। एक असफलता सुनहरे कल को नहीं मिटा सकती। ऐसा शायद ही कोई व्यक्ति होगा जिसे हर बार सफलता ही मिली हो। एक सफलता के पीछे एकाधिक बार असफल होना भी हो सकता है। हां, अपनी कमियों और चूकों पर कड़ी निगाह अवश्य डालनी चाहिए। अपनी कमियों को यथाशीघ्र दूर करते हुए फिर चलकर आगे बढ़ने में ही समझदारी है।

एक ही लक्ष्य को पाने वालों की संख्या पहले की तुलना में अब कहीं ज्यादा होती है। सो योग्य व्यक्ति के लिए भी राह आसान नहीं हो सकती। इस प्रतियोगिता भरे समय में उचित विकल्पों पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

विकल्पों के बारे में सजग रहना आवश्यक है। एक ही लक्ष्य पर नजर जमाए चलने से काम नहीं चलने वाला यानी अपने मुख्य लक्ष्य के अलावा उप मुख्य लक्ष्य भी ध्यान में रखना चाहिए। अपने मन से चुने हुए व्यवसाय या कार्य क्षेत्र के रूप को विस्तार देते हुए उससे जुड़े अन्य क्षेत्रों पर भी नजर दौड़ानी चाहिए। निश्चय ही लगभग हर क्षेत्र में आपको एकाधिक विकल्प मिल जाएंगे। यह याद रखना आवश्यक है कि आप हर स्थित किो अपने अनुकूल नहीं बना सकते अतः आप आवश्यक होने पर सवयं को ही कुछ बदलने का प्रयास करें।

दक्षिण के साथ मिलकर चलेंगे तो अच्छा

90 के दशक में सुपर स्टार रहे गोविंदा का मानना है कि आज की फिल्में हॉलीवुड से प्रेरित हैं। उसी तरह की भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने 100 करोड़ी क्लब, स्टार किड्स के स्ट्रगल और अपने कम बैक पर खास बातचीत की।

आज कल की फिल्मों या OTT पर आ रही वेब सीरीज के जो सब्जेक्ट हैं उनमें गैंगवार या क्राइम बेस्ड चीजें अधिक हैं,ऐसा क्यों हो रहा है?

थोड़ा कहने का अलग तरीका मेकर्स ने अपनाया है। उनकी सोच जो है वह वर्ल्ड लेवल पर जिस तरह से भाषा का इस्तेमाल पहले सिनेमा करता था अमेरिका में, वही गाली गलौज दिखाई जा रही है, सोचा गया कि लोग एक्सेप्ट करेंगे कि नहीं, मगर लोग एक्सेप्ट कर रहे हैं ये बड़ा सोचने वाला विषय है।

100 करोड़ क्लब, अब तो 1000 करोड़ क्लब भी होने लगा है, अपने समय को कैसे याद करते हैं?

मुझे चक्कर आ जाता है सुनकर कि किसी फिल्म ने इतने सौ, उतने सौ करोड़ कमा लिए। हमने तो बड़ी मेहनत की, चंद लाखों तक पहुंचाने में भी समय और बहुत मेहनत लगती थी। जैसा यह इजी है लगता है ऐसा नहीं है। स्टार्स किड्स की तो बहुत खिंचाई होती है। उन पर बोझ होता है पैरेंट्स की तरह अच्छा काम करने का।

अब लोग थिएटर जाकर फिल्में देखने लगे हैं, वजह क्या मानते हैं?

जवाब- मैंने बहुत पहले ही कह दिया था कि साउथ इंडस्ट्री के साथ में मिलकर हम आगे निकलेंगे तो अच्छा रहेगा। दक्षिण जो है वह धर्म की पूरी नींव पकड़कर चलता है और वह इसलिए हिलता नहीं है। अब जो सिनेमा देख रहे हैं उसके डायरेक्टर सब साउथ के हैं। हमारे इस तरफ वाले में जितने डायरेक्टर्स हैं, उन्हें भी प्रेरणा मिलेगी। वह भी ऐसे ही डिफरेंट टाइप ऑफ सिनेमा प्रस्तुत करने लगेंगे अच्छा है आगे निकलेंगे यह शुभ है।

लोग आपको मिस करते हैं कि गोविंदा को वापस आना चाहिए?

मैं चाह रहा हूं वैसा, मुझे मिल नहीं रहा है। जो मिल रहा है वह मैं नहीं ले रहा हूं, एक्सेप्ट नहीं कर रहा हूं। आदरणीय अमिताभ बच्चन जी के साथ मैंने देखा था, उनके लिए बड़ा टफ हो गया था जिस वक्त वो लौटने वाले थे। मेरे साथ तो टफ का टफ का टफ होता जा रहा है। शायद हम लोग नीचे के तबके से आए हुए हैं, इसलिए हमारी ज्यादा खिंचाई हो रही है। बिना नाम लिए बड़े फिल्ममेकर्स के लिए गोविंदा बोले, ऊपर के जो लोग हैं, व्यापारी लोग, हमारे मित्रगण वो मिलेंगे तो प्रेम बहुत करते हैं। कहते है समय आएगा तो मिलेंगे गोविंद तुमसे, वो समय का इंतजार कर रहे हैं।

क्या डायरेक्शन-प्रोडक्शन में जाने का आपका कोई इरादा?

बहुत ही जल्द ऐसा आएगा, हमारे प्रोडक्शन के तरफ से न्यूज बिल्कुल आएगी कि हम उसे तरफ निकले हैं आगे। और कोई दूसरा काम व्यापार तो है नहीं मेरा, पॉलिटिक्स से मैं बाहर निकल चुका हूं तो और क्या करूं यही करूंगा।

तेलुगु फिल्मों में होगा शिवा राजकुमार का डेब्यू

कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री के अनुभवी सुपरस्टार शिवा राजकुमार पहली बार तेलुगु फिल्म में नजर आने के लिए तैयार हैं। शिवन्ना, मेगास्टार चिरंजीवी के साथ एक मजबूत रिश्ता रखते हैं। उन्होंने अब राम चरण की आगामी फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए सहमति दे दी है। अभिनेता ने खुद बुच्ची बाबू सना की आरसी 16 से जुड़ने की पुष्टि की है। एक इंटरव्यू के दौरान, शिवा राजकुमार ने बुच्ची बाबू सना द्वारा निर्देशित आगामी फिल्म आरसी 16 में अपनी भागीदारी का खुलासा किया। सुपरस्टार ने कहा, मैंने दो फिल्मों में अभिनय करने का वादा किया है, एक तमिल भाषा में और दूसरी तेलुगु भाषा में। तेलुगु फिल्म में राम चरण हैं। जब फिल्म के निर्देशक के बारे में पूछा गया, तो शिवन्ना ने पुष्टि की कि इसका निर्देशन वास्तव में उप्पेना के निर्देशक द्वारा किया जाएगा। शिवा राजकुमार के बयान के बाद आरसी16 में उनकी भूमिका की पुष्टि सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से फैल गई है। राम चरण के साथ बुच्ची बाबू सना की आरसी 16 के निर्माता फिल्म के कलाकारों और चालक दल के बारे में चुप्पी साधे हुए हैं। जबकि अफवाहें चल रही थीं कि स्पोर्ट्स ड्रामा में कलाकारों की टोली शामिल होगी। कन्नड़ स्टार शिवा राजकुमार ने ताजा इंटरव्यू में फिल्म से जुड़ने की पुष्टि कर फैंस का उत्साह बढ़ा दिया है। कन्नड़ सुपरस्टार ने गत वर्ष प्रदर्शित हुई और ब्लॉकबस्टर रही रजनीकांत की फिल्म जेलर में एक कैमियो भूमिका निभाई थी। अपने उग्र प्रदर्शन के लिए प्रसिद्ध, शिव राजकुमार के शामिल होने से राम चरण और बुच्ची बाबू की आगामी फिल्म को लेकर प्रचार बढ़ जाएगा, जिसकी शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है। राम चरण आखिरी बार एसएस राजामौली की आरआरआर में जूनियर एनटीआर और आलिया भट्ट के साथ नजर आए थे। वह जल्द ही शंकर की पहली तेलुगु फिल्म गेम चेंजर में दिखाई देंगे, जिसमें कियारा आडवाणी उनकी को-स्टार होंगी। फिल्म की शूटिंग जारी है और उम्मीद है कि फिल्म इस साल के अंत में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इंडियन पुलिस फोर्स में नहीं होंगे इंटीमेट सीन और अपशब्द

रोहित शेट्टी अपनी आगामी वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स से ओटीटी पर अपने निर्देशन की शुरुआत करने जा रहे हैं। इस शो को लेकर हर तरफ लगातार चर्चाएं चल रही हैं। पांच जनवरी को इसका ट्रेलर जारी किया गया था, जिसे जनता का भरपूर प्यार मिला है। इस बीच हाल ही में रोहित ने खुलासा किया कि उनके वेब शो में कोई अश्लील सीन नहीं है, क्योंकि वे भारतीय संस्कृति का सम्मान करते हैं और अपने मुख्य दर्शकों को असहज नहीं करना चाहते हैं। एक पॉडकास्ट में रोहित ने कहा कि इंडियन पुलिस फोर्स में सिवाय कुछ एपिसोड्स के अपशब्द भी नहीं हैं। निर्देशक ने बताया कि कुछ ऐसे सीन हैं जहां पुलिस के किरदारों के लिए उस तरह से बोलना जरूरी था। उन्होंने कहा, इसके अलावा इसमें कोई अश्लीलता नहीं है। हमारी भारतीय संस्कृति अलग है। हमारे बीच अभी भी बहुत सम्मान है और हम इसके लिए जाने जाते हैं। जो लोग ऐसा कुछ बना रहे हैं, वे कुछ भी गलत नहीं कर रहे हैं, लेकिन मुझे अपनी कोर ऑडियंस को असहज नहीं करना चाहता हूं। इस बारे में बात करते हुए कि उन्होंने परिवार-अनुकूल फिल्मों के महत्व को कैसे सीखा, रोहित ने बताया कि एक बार जब वे हवाई अड्डे पर थे, तो एक महिला उनके पास आई और चेन्नई एक्सप्रेस बनाने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। महिला ने उन्हें बताया कि उनकी ढाई साल की बेटी है और उन्हें जब दिन में घर के कामों से फुर्सत नहीं मिलती है, तब वे अपनी बेटी को व्यस्त रखने के लिए चेन्नई एक्सप्रेस फिल्म चला देती हैं। फिल्मकार आगे अपनी बात जारी रखते हुए कहा कि जब उन्होंने ओटीटी पर काम शुरू किया, तो वे जानते थे कि वे इसमें कोई भी अश्लीलता नहीं रखनी है। रोहित ने कहा, मैं चाहता हूं कि सूर्यवंशी के दर्शक आएं और इस शो को देखें। उन्हें कोई भी असुविधा नहीं होनी चाहिए।

भुल भुलैया-3 में विद्या बालन की वापसी

विद्या बालन और अक्षय कुमार की फिल्म 'भूल भुलैया' की सफलता के बाद 'भूल भुलैया 2' में कार्तिक आर्यन के साथ कियारा आडवाणी की जोड़ी बनी थी। इस फिल्म में तब्बू लीड एक्ट्रेस थीं। यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर सफल साबित हुई थी। अब 'भूल भुलैया' और 'भूल भुलैया-2' की बंपर सफलता के बाद फिल्म के मेकर्स इसके तीसरे सीक्वल पर काम कर रहे हैं। 'भूल भुलैया-3' को लेकर खास खबर सामने आई है। खबर है कि कार्तिक आर्यन बेहद जल्द फिल्म की शूटिंग शुरू कर देंगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स ने कार्तिक के साथ 'भूल भुलैया 3' का हिस्सा बनने के लिए विद्या बालन से संपर्क किया है क्योंकि तब्बू अब फिल्म का हिस्सा नहीं होंगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि विद्या बालन ने अभी फिल्म साइन नहीं की है लेकिन वह इस भूमिका को निभाने के लिए काफी उत्सुक हैं। कथित तौर पर इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि अभिनेत्री अनीस बज्मी निर्देशित फिल्म में शामिल होंगी। हालांकि, अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा या पुष्टि नहीं हुई है। इससे पहले, खबरें थीं कि सारा अली खान आने वाली इस फिल्म में कार्तिक के साथ अभिनय करेंगी।

एक रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म 'भूल भुलैया-3' इसी साल मार्च में फ्लोर पर जाएगी। फिल्म को लेकर हाल ही में फिल्म के प्रोड्यूसर भूषण कुमार, निर्देशक अनीस बज्मी और एक्टर कार्तिक आर्यन ने मीटिंग की। इस फिल्म को फ्लोर पर लाने के लिए सभी तैयार हैं। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि प्रोड्यूसर भूषण कुमार ने साझा किया कि भूल भुलैया फ्रेंचाइजी उनके दिलों में एक विशेष स्थान रखती है। इसके लिए वह अनीस जैसे क्रिएटिव माइंड और कार्तिक जैसे शानदार टैलेंटेड एक्टर संग फिर काम करने के लिए काफी बेताब हैं। उन्होंने अपने दिल की बातें बताते हुए कहा था कि हम साथ मिलकर एक बार फिर से एक सिनेमाई अनुभव देने के लिए तैयार हैं जो फ्रेंचाइजी के ओहदे को और बढ़ा देगा। इसके साथ ही दर्शकों के लिए हंसी और रोमांच को दोगुना कर देगा। दूसरी ओर, अनीस ने भी कहा कि वह भूल भुलैया की दुनिया को आगे बढ़ाने के लिए रोमांचित हैं। पिछली किस्त में, रूह बाबा सबसे पसंदीदा किरदार बन गया था और दर्शकों के आनंद के लिए इसे और भी बेहतर बनाना एक मजेदार और रोमांचक चुनौती होगी।

मायने रखती है व्यावसायिक सफलता, इसे ही प्रमुखता न दें फिल्म निर्माता

फिल्म निर्देशक राजकुमार हिरानी ने अपने द्वारा निर्देशित फिल्म 'डंकी' के बारे में कहा है कि व्यावसायिक सफलता मायने रखती है, लेकिन फिल्म निर्माता केवल इसी चीज को प्रमुखता नहीं दे सकते। उन्होंने कहा कि वह इस बात से खुश हैं कि लोगों ने ऐसे समय में एक मानवीय कहानी बताने के उनके प्रयासों की सराहना की है, जब लोग एक्शन फिल्मों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। शाहरुख खान अभिनीत 'डंकी' 'पठान' और 'जवान' के बाद आई है। 'डंकी' एक सौम्य फिल्म है जिसमें तापसी पन्नू, विक्की कौशल और बोमन ईरानी भी हैं। इसने 300 करोड़ रुपए कमाए हैं। हालांकि यह फिल्म 'पठान' और 'जवान' के बराबर सफल नहीं है। हिरानी ने कहा कि व्यावसायिक सफलता मेरे लिए भी मायने रखती है, लेकिन मैं पूरी तरह इसे ही प्रमुखता न देने की कोशिश करता हूं, क्योंकि जब आप व्यावसायिक सफलता को ध्यान में न रखते हुए काम करते हैं तब उस तरह की फिल्म बनाना शुरू कर देते हैं जैसी फिल्म आप बनाना चाहते हैं।

'डेडली' में विलेन बनेंगे वरुण प्रोड्यूसर होंगे करण जौहर

टाइगर श्रॉफ-वरुण धवन और जान्हवी कपूर एक साथ फिल्म 'डेडली' में नजर आने वाले हैं। फिल्म के प्रोड्यूसर करण जौहर होंगे। वहीं फिल्म का डायरेक्शन राज मेहता करेंगे। डेडली की कहानी अनुराग कश्यप लिख रहे हैं। इस फिल्म में पहली बार जान्हवी और टाइगर की जोड़ी देखने को मिलेगी। फिल्म में वरुण धवन विलेन का किरदार निभाते नजर आएंगे। डायरेक्टर राज मेहता इससे पहले गुड न्यूज और जुग जुग जीयो जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं।

इन फिल्मों में नजर आएंगी जान्हवी

जान्हवी कपूर के पास इस साल कई फिल्में हैं। इस साल वो जूनियर एनटीआर की देवरा, राजकुमार राव के साथ मिस्टर एंड मिसेज माही और गुलशन देवैया के साथ उलझ में काम करेंगी। बता दें कि हाल ही में खबर आई थी कि जान्हवी करण जौहर की 'दुल्हनिया 3' में नजर आएंगी। बहरहाल, बाद में करण जौहर ने इस बात से इनकार कर दिया था। इस फिल्म में आलिया भट्ट बतौर एक्ट्रेस नजर आएंगी। टाइगर श्रॉफ अक्षय कुमार के साथ बड़े मियां छोटे मियां की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। दूसरी ओर, वरुण धवन भेड़िया 2, सिटाडेल इंडिया और तमिल फिल्म थेरी की रीमेक में दिखाई देंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वरुण आने वाले दिनों में हॉलीवुड सीरीज सिटाडेल के हिंदी रीमेक में दिखेंगे। उनके साथ सामंथा रुथ प्रभु भी दिखाई देंगी। हालांकि रिलीज डेट को लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। इसे राज एंड डीके द्वारा बनाया जा रहा है। हॉलीवुड सीरीज सिटाडेल में प्रियंका चोपड़ा और रिचर्ड मैडेन को लीड रोल में देखा गया था। इंटरनेशनल लेवल पर इस सीरीज को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। वरुण धवन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। फिल्म में वरुण के अलावा कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी भी हैं। फिल्म में वरुण फुल एक्शन अवतार में देखने को मिलेंगे।

कन्नड़ सिनेमा में धमाकेदार डेब्यू करेंगी करीना

करीना कपूर अब तक बॉलीवुड में काम करती आई हैं, पर अब वह भी साउथ फिल्मों में काम करना चाहती हैं। ऐसा लगता है कि उन्होंने इस दिशा में कदम भी बढ़ा दिया है। खबर है कि वह यश की फिल्म से कन्नड़ सिनेमा में डेब्यू करने वाली हैं। वह यश स्टारर टॉक्सिक में नजर आएंगी। मेकर्स ने कुछ दिन पहले ही यश की नई फिल्म की अनाउंसमेंट की थी, जिसका नाम टॉक्सिक है। इसे गीतू मोहनदास डायरेक्ट करेंगी। टॉक्सिक करीना की यश के साथ पहली फिल्म होगी और मेकर्स जल्द ही इसकी अनाउंसमेंट करेंगे। बताया जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग कुछ ही हफ्तों में शुरू होगी। कुछ दिन पहले ही मेकर्स ने एक वीडियो जरिए फिल्म का नाम अनाउंस किया था। इसके साथ ही यश का काउबॉय लुक रिवील किया गया था, जिसमें वह कंधे पर मशीन गन रखे और सिगार पीते नजर आए। वीडियो में डीसी कॉमिक्स के भी कुछ किरदार दिखे थे। टॉक्सिक के लिए करीना कपूर से पहले साई पल्लवी और उनसे पहले राशि खन्ना के नाम की चर्चा थी। हालांकि अब करीना का नाम कन्फर्म बताया जा रहा है। लेकिन अभी ऑफिशियल अनाउंसमेंट के लिए इंतजार करना होगा।

बलात्कारियों व अपराधियों को संरक्षण देती है भाजपा : रामकुमार तंवर

मुठभेड़ में की गई विनोद उपाध्याय की हत्या की न्यायिक जांच कराई जाए : दिनेश शर्मा

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा महानगर अध्यक्ष रामकुमार तंवर के नेतृत्व में

पत्रकार वार्ता का आयोजन नोएडा महानगर कांग्रेस कार्यालय पर नोएडा रामकुमार तंवर व दिनेश शर्मा अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा किया गया।

उक्त नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में जहां 2 नवंबर 2023 को आईआईटी बीएचयू की छात्रा का तीन लड़कों द्वारा जबरन गन पॉइंट पर उसकी नग्न अवस्था का वीडियो बनाया गया एवं दुष्कर्म किया गया।

3 नवंबर को ही कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने बता दिया था कि इस घटना में भाजपा के लोगों का हाथ है। इस पर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी गई। 5 नवंबर को सीसीटीवी फुटेज से लड़कों की पहचान कर ली गई 8 नवंबर को पीड़िता द्वारा भी उनकी पहचान कर ली गई। आरोपित की पुष्टि होने के पश्चात भाजपा द्वारा उन्हें मध्य प्रदेश के चुनाव प्रचार में भेज दिया गया।

ऐसे में सवाल यह उठता है कि आरोपियों की पहचान होने के बाद भी उनको गिरफ्तार करने में 2 महीने क्यों लगे? क्या पांच राज्यों में चुनाव के कारण भाजपा आरोपितों को बचा रही थी? अगर छात्रों और कांग्रेस अध्यक्ष का इतना दबाव न होता तो शायद आरोपित पकड़े भी नहीं जाते।

दिनेश शर्मा ने कहा कि एक घटना प्रदेश के मुख्यमंत्री जी के क्षेत्र गोरखपुर की है जहां विनोद उपाध्याय को सुल्तानपुर में पुलिस द्वारा कथित मुठभेड़ में मार दिया गया यह बात आईने की तरह साफ है की गोरखपुर में रहने वाले विनोद उपाध्याय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पुराने विरोधी रहे हैं।

योगी जी के मुख्यमंत्री बनने के बाद विनोद उपाध्याय पर शिकंजा बढता गया और क्रमश: उन ईनाम की धनराशि भी मामले को गंभीर दिखने के लिए बढ़ाई गई। यह मुठभेड़ व्यक्तिगत कुंठा और राजनैतिक विद्वेष से प्रेरित है

कांग्रेस पार्टी इस घटना का न्यायिक जांच की मांग करती है प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य रूप से नोएडा महानगर अध्यक्ष रामकुमार तंवर,ज़िला अध्यक्ष दिनेश शर्मा,ओबीसी प्रदेश उपाध्यक्ष फिरे सिंह नागर,ओबीसी प्रदेश महासचिव उर्मिला चौधरी,महानगर उपाध्यक्ष हरेंद्र शर्मा,पीसीसी सदस्य रिज़वान चौधरी,पीसीसी सदस्य सोनू प्रधान,कोषाध्यक्ष रामकुमार शर्मा,महासचिव कैप्टन हरलीन बाजवा,नोएडा महानगर महासचिव नरेश झा, जिला महासचिव मुकेश शर्मा,रोहित चौहान,आदि उपस्थित रहे।

कल लोहड़ी मनाएगी पंजाबी एकता समिति

नोएडा (चेतना मंच)। कल शाम लोहडी पर्व के उपलक्ष्य में होने वाले रंगारंग कार्यक्रम के दौरान पूरा नोएडा पंजाबी गीतों और भंगडा का अनोखा संगम होगा।

नोएडा पंजाबी एकता समिति की ओर से आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान जानकारी देते हुए समिति के अध्यक्ष, महासचिव वीरेन्द्र मेहता, नरेन्द्र चोपडा, सांसद प्रतिनिधि एवं संरक्षक संजय बाली ने बताया कि नोएडा के सेक्टर-51 स्थित वेडिंग विला में 11 जनवरी 2024 को लोहड़ी का पर्व बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप सें नोएडा के सांसद डा. महेश शर्मा, नोएडा विधायक पंकज सिंह, मनजिंदर सिंह सिरसा और कई वरिष्ठ गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। यह कार्यक्रम सायं: 7 बजे से प्रारंभ होगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान सांस्कृति कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जायेगा। जिसमें लोहड़ी के गीत और पंजाबी गीतों का संगम एवं भंगडा होगा। संगीतकार हरलीन सिंह, धीरज भंडारी पॉप स्टार टी-सीरीज जी म्यूजिक के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम किया जाएगा।

प्रेसवार्ता में विनीत मेहता वरिष्ठ उपाध्यक्ष, गौरव चाचरा कोषाध्यक्ष, नवीन सोनी उपाध्यक्ष, अतुल सहगल उपाध्यक्ष, सुनील मेहता, बी.के. मेहता, राजीव गुप्ता, सतीष मेहता, जसविन्दर सिंह, सतपाल सचदेवा, अश्विनी छाबरा, एस.पी. आनंद, रंजन ठुकराल आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बाल अपचारियों को स्कूल बैग बांटे

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद न्यायाधीश, गौतमबुद्धनगर अवनीश सक्सेना के दिशा-निर्देशन में अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऋचा उपाध्याय द्वारा राजकीय बाल सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में किशोरों को उनके मुकदमों से संबंधित जानकारी उपलब्ध करायी गयी। शिविर में किशोरों से रहन-सहन, खान-पान आदि के बारे जानकारी ली गयी। कार्यक्रम में किशोर आपचारियों को स्कूल बैंग का वितरण किया गया।

शिविर में श्रीमती ऋचा उपाध्याय के अलावा विपुल यादव, श्रीमती सुजाता, असिटेंट एलएडीसीएस व बाल सम्प्रेक्षण का स्टाफ व अन्य उपस्थित हुये।

अस्पताल में भर्ती 'आप' जिलाध्यक्ष से मिलने पहुंचे प्रदेश प्रवक्ता

नोएडा (चेतना मंच)। आम आदमी पार्टी गौतमबुद्धनगर के जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र जादौन पिछले 12 दिनों से नियो अस्पताल सेक्टर 50 नोएडा के आईसीयू में इलाज चल रहा है। उन्हें 28 दिसंबर को ब्रेन हैमरेज हो गया था। 28 दिसंबर को ही डॉक्टरों ने उनके ब्रेन की सर्जरी की थी।

मंगलवार को पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता संजीव निगम व पार्टी के पदाधिकारी डॉ बी पी सिंह नियो अस्पताल पहुंचकर आई सी यू में भर्ती भूपेंद्र जादौन को देखा व हाल-चाल लिए और उनके बड़े भाई विनोद जादौन से मिले। संजीव निगम ने बताया कि डॉक्टरों के अनुसार भूपेंद्र जादौन की हालत में सुधार है और कुछ दिनों में काफी सुधार होने की संभावना है।

केयरिंग एसोसिएशन ने शुरू किया कम्बल वितरण

नोएडा (चेतना मंच)। केयरिंग एसोसिएशन ने अपने इस अभियान के 16वें संस्करण की शुरुआत कंबल वितरण से की है। इस मौके पर संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवांश श्रीवास्तव की उपस्थिति में सेक्टर-82 मेट्रो स्टेशन, सेक्टर-62 साई मंदिर, सेक्टर-100 में बनें कंस्ट्रक्शन साइट्स के पास बनी झुग्गियों में कंबल वितरण का आयोजन किया गया। प्रति वर्ष की तरह संस्था ने रात्रि 9 बजे के बाद संस्था के पदाधिकारियो ने जगह जगह घूम कर कंबल का किया जिसको अगले 10 दिन लगातार किया जाएगा। इस मौके पर संस्था के पदाधिकारी अलोक गर्ग, रजत त्यागी, पुनीत शर्मा, आशीष कुमार, पंकज त्रिपाठी, अन्य मौजूद रहे।

जिला जज ने राजकीय वृद्धाश्रम का किया निरीक्षण

गौतमबुद्धनगर (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशों पर जनपद न्यायाधीश अवनीश सक्सेना ने दनकौर स्थित राजकीय वृद्धाश्रम का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जिला जज द्वारा वृद्धजनों को कम्बल आदि वितरित किये गये। उन्होंने राजकीय वृद्धाश्रम में पायी गयी खामियों को दुरुस्त करने के लिये जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देश दिये। कार्यक्रम में वृद्धजनों को पेंशन, आधार कार्ड आदि के बारे में जानकारी उपलब्ध करायी गयी।

निरीक्षण के दौरान अवनीश सक्सेना, जनपद न्यायाधीश, गौतमबुद्धनगर, श्रीमती ऋचा उपाध्याय, अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गौतमबुद्धनगर के साथ शैलेन्द्र बहादुर सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी, गौतमबुद्धनगर, वृद्धाश्रम का स्टाफ व अन्य उपस्थित हुये।

दनकौर स्थित राजकीय वृद्धाश्रम का निरीक्षण करते जनपद न्यायाधीश अवनीश सक्सेना।

ई-लॉटरी से लाभार्थियों का चयन

गौतमबुद्धनगर (चेतना मंच)। कृषि यंत्रों/कृषि रक्षा उपकरणों में लाभार्थियों का चयन ई-लॉटरी से किया जाएगा।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने कृषि यंत्रों/कृषि रक्षा उपकरणों की ऑनलाइन बुकिंग करने वाले कृषकों को बताया कि उत्तर प्रदेश शासन की व्यवस्था अनुसार 10000 से अधिक अनुदान वाले समस्त कृषि यंत्रों/कृषि रक्षा उपकरणों जैसे कस्टम हायरिंग सेंटर, फार्म मशीनरी बैंक की स्थापना, हाईटेक हब फॉर कस्टम हायरिंग, थरेसिंग फ्लोर व स्मॉल गोदाम इत्यादि के लाभार्थियों का चयन कृषि विभाग की पोर्टल/वेबसाइट पर ई-लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। ई-लॉटरी 11 व 12 जनवरी 2024 को विकास भवन में होगी।

दूधेश्वर नगर, हरनंदी नगर या गजनगर हो सकता है गाजियाबाद का नाम

गाजियाबाद (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के एक और जिले का नाम बदलने की तैयारी

है। राजधानी दिल्ली के पास बसे ऐतिहासिक शहर गाजियाबाद का भी नाम अब बदला जाएगा। नगर निगम गाजियाबाद की बोर्ड बैठक में गाजियाबाद का नाम बदलने के प्रस्ताव पर मोहर लग गई है। इसके लिए तीन नामों का चयन कर प्रस्ताव को शासन के पास भेजा जा रहा है। जिस दौरान गाजियाबाद नगर निगम की बोर्ड बैठक में नाम बदलने के प्रस्ताव पर मोहर लगी, उस दौरान सदन भारत माता की जय के नारे लगाए गए।

आपको बता दें कि मंगलवार को गाजियाबाद नगर निगम की बोर्ड बैठक आयोजित हुई। बैठक में गाजियाबाद का नाम बदलने का प्रस्ताव रखा गया। नाम बदलने के लिए गजनगर, हरनंदीनगर और दूधेश्वर नगर के नाम रखे गए हैं। इन तीन नामों में से किसी एक नाम पर यूपी सरकार को निर्णय लेना है।

जानकारी के अनुसार, गाजियाबाद नगर निगम की बैठक में एक अन्य प्रस्ताव भी पास हो गया। इस प्रस्ताव में गाजियाबाद के जनकपुरी इलाके में राम के नाम पर राम पार्क पर मुहर लगी है। वहीं, सद्दीक नगर में स्पोर्ट्स सेंटर बनाने का प्रस्ताव भी पास हो गया है।

यूपी में योगी आदित्यनाथ की सरकार आने के बाद पहले भी कई शहरों के नाम बदले जा चुके हैं। जिनमें इलाहाबाद का नाम बदलकर प्रयागराज किया गया और फैजाबाद का नाम बदलकर अयोध्या किया गया। अलीगढ़ का नाम हरिगढ़ रखने की भी चर्चा जारी है। मुगलसराय रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन किया गया। साथ ही झांसी रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर वीरांगना लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन रखा गया।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

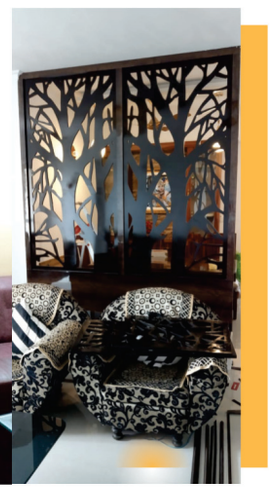

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com